हरिभूमि
रायपुर भूमि

घर पर नहीं रख सकेंगे तोता-मैना, हफ्तेभर में छोड़ना होगा अन्यथा दर्ज होगा केस
अरसे बाद जागा वन विभाग, वन मंडलों को लिखी चिट्ठी
कानून पहले से, सख्ती अब
शिकायत के लिए नंबर जारी करेंगे

घरों से तोता-मैना की रिहाई के अल्टीमेटम के बाद टारगेट में नंदनवन और जंगल सफारी

- जानकार घरों में कैद पक्षियों को ट्रेंड करने के बाद रहवास क्षेत्र में छोड़े जाने की बात कह रहे
- पक्षी प्रेमियों की मांग- नंदनवन में बुजुर्ग, असहाय पक्षियों को रखने बनाएं ठिकाना

समूह बनाकर छोड़ने पर ही कर पाएंगे सर्वाइव

पक्षी मामलों के जानकारों के मुताबिक पक्षियों को रेस्क्यू करने के बाद पक्षियों को प्राकृतिक तौर पर दाना ढूंढने प्रशिक्षित करने कुछ दिनों के लिए एक्सपर्ट की देख-रेख में पक्षी विहार में रखना चाहिए। दाना ढूंढने प्रशिक्षित होने के बाद उन पक्षियों को 30-30 की समूह में प्राकृतिक रहवास केंद्र में छोड़े जाने की मांग की है। ऐसा नहीं करन की स्थिति में पक्षियों के सर्वाइव नहीं कर पाने की बात पक्षी के जानकार कह रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

घर के पिंजरों में कैद तोता-मैना सहित अन्य प्रजातियों के पक्षियों को एक सप्ताह के भीतर छोड़े जाने का पक्षी तथा वन्यजीव प्रेमियों ने स्वागत किया है। इसके साथ ही पक्षी तथा वन्यजीव प्रेमियों ने नंदनवन पक्षी विहार में रह रहे पांच सौ से ज्यादा पक्षियों को रिलीज करने की मांग की है। पक्षी प्रेमियों के अनुसार घरों में कैद पक्षियों को पक्षी विशेषज्ञों की देख-रेख में छोड़ा जाना चाहिए। साथ ही जो पक्षी घरेलू हो गए हैं, उन्हें अपने नेचुरल स्थिति में लाने प्रशिक्षित करने के बाद छोड़े जाने की मांग ▶▶|शेष पेज 13 पर

पक्षी प्रेमियों का यह कहना है

दुकानों में पक्षी बेचने वालों के खिलाफ अफसरों को तत्काल कार्रवाई शुरू करनी चाहिए। नंदनवन पक्षी विहार में बुजुर्ग तथा घायल पक्षियों को छोड़ शेष पक्षियों को तत्काल छोड़ना चाहिए।
- **किरण आहूजा,** सदस्य पेटा

नंदनवन में रह रहे पक्षियों को समूह बनाकर छोड़ा जाना चाहिए, जिससे वह अपने प्राकृतिक रहवास क्षेत्र में सर्वाइव कर सकते हैं।
- **कस्तूरी बलाल,** संचालक - वाटिका एनिमल वेलफेयर सोसायटी

घरों से रेस्क्यू पक्षी को ऐसे छोड़े जाने पर उनका जीवन संकट में पड़ सकता है, पक्षियों को छोड़ने के पूर्व नंदनवन में एक्सपर्ट की निगरानी में प्रशिक्षि करना होगा।
- **वंचना लबान,** संचालक लक्की टेल्स

खबर संक्षेप

चोरी के दो मामलों में दो गिरफ्तार, तीन फरार

रायपुर। खमतराई थाना क्षेत्र में चोरी के दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने दो शातिरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाशों के कब्जे से पुलिस ने 43 हजार रुपए कैश तथा मोबाइल जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक, सिद्धार्थ लुंकड़ की शिकायत पर राजू यादव तथा इतवार सिंह मरकाम को चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बदमाशों ने तीन पार्टनर कारोबारियों के ऑफिस का ताला तोड़कर सोमवार को छह लाख रुपए कैश पर हाथ साफ किया था। इसके बाद बदमाशों ने एक अन्य कारोबारी के गोदाम का ताला तोड़कर नकदी पांच हजार रुपए उड़ाए थे। चोरी की घटना में शामिल तीन अन्य बदमाश फरार हैं।

घरेलू विवाद, पत्नी पर ब्लेड से जानलेवा हमला

रायपुर। राजेंद्र नगर थाने में एक महिला ने अपने पति के खिलाफ घरेलू विवाद के चलते ब्लेड से जानलेवा हमला करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, कौशल्या सोनी ने आर्यन सोनी के खिलाफ ब्लेड से हमला करने की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि घरेलू विवाद के चलते वह अपने मायके में रह रही है। वह काम पर जाने के लिए निकली थी, इसी दौरान आर्यन अपनी पत्नी के घर पहुंचा और घरेलू विवाद के चलते महिला के पेट, पीठ तथा अन्य जगहों में ब्लेड से हमला कर घायल कर दिया।

डंपर फायनेंस कराने का झांसा, 11 लाख की ठगी

रायपुर। आमानाका थाने में एक व्यक्ति ने टाटा मंगलम शोरूम के सेल्समैन के खिलाफ 11 लाख 32 हजार रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, सारंगढ़ निवासी किशनू निराला ने तेज प्रताप सिंह के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। किशनू ने पुलिस को बताया कि तेज प्रताप ने उसकी समधन को कम ब्याज दर पर डंपर फायनेंस करने का झांसा देकर ठगी का शिकार बनाया है।

ट्रैवल्स ऑफिस से 40 हजार थाई करेंसी चोरी

रायपुर। मौदहापारा थाने में एक टूर एंड ट्रैवल्स के संचालक ने अज्ञात के खिलाफ अपने ऑफिस से नकदी पांच हजार रुपए तथा 40 हजार थाई करेंसी चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, जयराम कांप्लेक्स स्थित टूर एंड ट्रैवल्स के संचालक हरदीप सिंह होरा ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। हरदीप ने पुलिस को बताया कि अज्ञात चोर ने शटर का ताला तोड़कर कार्यालय के अंदर प्रवेश किया। चोर ने चोरी करने के अलावा उसके पासपोर्ट तथा पेनकार्ड सहित अन्य दस्तावेज जला दिए। घटना का पुलिस को सीसीटीवी फूटेज मिला है। फूटेज के आधार पर पुलिस बदमाशों की पतासाजी में जुटी हुई है।

मोवा में गारमेंट फैक्ट्री का ढांचा खड़ा करने फूंक दिए 4 करोड़, 2 बार टेंडर, एजेंसी ढूंढ नहीं पाए

कमीशन के चक्कर में बना दी बिल्डिंग, जनता के पैसे की कदर नहीं, दीवारें हो रही बदरंग, परिसर वीरान

प्रदीप शर्मा ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

नगर निगम और रायपुर स्मार्ट सिटी के अफसरों ने शहर और आउटर के इलाके में करोड़ों खर्च कर कमीशन के चक्कर में बिल्डिंग तो बनवा दी, पर उसकी उपयोगिता और दुकान व चबूतरों के आवंटन पर ध्यान नहीं देने से जनता को इसका फायदा नहीं मिल पाया। उल्टे जनता के टैक्स के पैसे से किये निर्माण देखरेख के अभाव में खंडहर में तब्दील होने लगे हैं। दीवारों पर सीपेज और दरार उभर आई है, वहीं सांझ ढलते ही इन परिसरों में नशेड़ियों का जमावड़ा आम बात है। ये स्थिति शहीद ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड के टिकरापारा स्थित 2 मंजिला सब्जी बाजार, महोबाबाजार के पौनी पसारी सेंटर और मोवा में 4 करोड़ खर्च कर ढांचे के रूप खड़ी नगर निगम के पहले गारमेंट फैक्ट्री की है।

महोबा बाजार का पौनी पसारी बाजार

मोवा क्षेत्र में पुश्तैनी व्यवसाय कर रहे परंपरागत फुटकर विक्रेताओं को आजीविका के लिए सुरक्षित जगह उपलब्ध कराने नगर निगम ने पूर्ववर्ती कांग्रेस शासन काल में जोन 8 क्षेत्र स्थित महोबा बाजार में बहुमंजिला पौनी पसारी सेंटर बनवाया। जिसमें 45 दुकानें हितग्राहियों के लिए बनवाई गई। 30 लाख की लागत से निर्मित पौनी पसारी बाजार में बनाई गई दुकानों का 5 साल पहले जोन 8 से आवंटन किया गया। किफायती दर पर पक्का चबूतरा अलग-अलग व्यवसाय करने वालों को उपलब्ध कराया गया। कोरोना के कारण इनका व्यवसाय संबंधित अवधि में प्रभावित रहा। पर इसके बाद भी पौनी परिसर की रौनक नहीं लौटी।

टिकरापारा का दोमंजिला सब्जी बाजार, 4 साल से चबूतरों का आवंटन नहीं

मोवा में नगर निगम की गारमेंट फैक्ट्री

निगम सीमा क्षेत्र की 1 हजार महिलाओं को सिलाई का प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वावलंबी बनाने नगर निगम ने मोवा क्षेत्र में बीएसएनएल आफिस के पास 45 हजार वर्गफीट जगह पर गारमेंट फैक्ट्री स्थापित करने 4 करोड़ खर्च कर ढांचा खड़ा करवाया। जिसमें फैक्ट्री के लिए शेड, बाउंड्रीवाल, ड्रेनेज सिस्टम, साइट रोड, महिलाओं के लिए टायलेट की व्यवस्था सहित अन्य सुविधाएं जुटाई गई। पर साल भर में फैक्ट्री का संचालन करने एजेंसी ढूंढ नहीं पाये। इसके कारण 4 करोड़ के ढांचा की उपयोगिता पर सवाल उठ रहे हैं। एजेंसी तय करने नगर निगम से 2 बार ऑनलाइन टेंडर हुआ। पर एक भी एजेंसी इसके लिए आगे नहीं आई। पीपीपी मोड पर प्रोजेक्ट संचालित होना है। पहले 1000 सिलाई मशीन भी नगर निगम को खरीद कर अनुबंधित एजेंसी को उपलब्ध करानी थी। पर मशीन खरीदने की शासन स्तर पर स्वीकृति नहीं मिली। इसलिए अनुबंधित एजेंसी चयनित महिलाओं को सिलाई मशीन खरीद कर उपलब्ध करायेगी। नगर निगम को एजेंसी सिर्फ जमीन का किराया देगी।

4 साल से वीरान पड़ा टिकरापारा का दोमंजिला सब्जी बाजार

शहीद ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड के टिकरापारा क्षेत्र में हरदेवलाला मंदिर मार्ग सड़क पर लगने वाले सब्जी बाजार को सुव्यवस्थित करने नगर निगम ने 25 लाख खर्च 2 मंजिला पक्का सब्जी बाजार बनवाया। 4 साल से यह बाजार वीरान पड़ा है। दीवारों पर सीपेज और दरार होने के साथ ही गंदगी पसरी हुई है। सब्जी विक्रेताओं के लिए बनाये गये 40 से ज्यादा पक्के चबूतरे और दुकानें अब तक आवंटित नहीं हो पाई। वार्ड पार्षद चंद्रपाल धनकर ने निगम आयुक्त से लेकर महापौर और जोन आयुक्त को इस संबंध में कई बार अवगत कराया। इसके बाद भी 2 मंजिला सब्जीबाजार वीरान पड़ा है। सांझ ढलते ही यहां नशेड़ियों का जमावड़ा होने से लोग परेशान हैं। साथ ही अभी मुख्य मार्ग की सड़क पर सब्जी व मटन बाजार लगने से ट्रेफिक जाम की समस्या बनी रहती है।

साइबर थाना एक्शन में, अब तक दो सौ से ज्यादा अकाउंट होल्ड, दो करोड़ रुपए सीज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हर साल करोड़ों रुपए के ऑनलाइन फ्राड रोकने रेंज साइबर थाना का गठन किया गया था। रेंज साइबर थाना के गठन होने के बाद भी कार्रवाई नहीं होने से रेंज साइबर थाना के औचित्य पर प्रश्न चिन्ह लग रहे थे। एक साल के बाद आईजी अमरेश मिश्रा ने रेंज साइबर पुलिस की नए सिरे से टीम बनाने के साथ ही सेटअप सिविल लाइंस थाना में शिफ्ट करने के बाद कार्रवाई में तेजी आई है। रेंज साइबर पुलिस ने पिछले डेढ़ माह के भीतर ऑनलाइन ठगी के दो करोड़ रुपए सीज कराने के साथ छह शातिर हाईटेक जालसाज को गिरफ्तार करने के साथ ही दो सौ से ज्यादा बैंक अकाउंट को होल्ड कराने में कामयाबी हासिल की है। रेंज आईजी के मुताबिक साइबर ठगी के मामलों को ▶▶|शेष पेज 13 पर

- एक माह के भीतर छह जालसाज दबोचे गए

विवेचना में आया छत्तीसगढ़ कनेक्शन

ऑनलाइन ठगी के मामलों में अक्सर यही सोचा जाता रहा है कि जालसाज किसी दूसरे राज्य के हैं, इनमें छत्तीसगढ़ का क्या कनेक्शन हो सकता है। रेंज पुलिस ने ऑनलाइन ठगी की जांच के दौरान पाया कि ऑनलाइन ठगी की घटना में छत्तीसगढ़ कनेक्शन है। जालसाज छत्तीसगढ़ के लोगों के बैंक अकाउंट किराए में लेने के साथ छत्तीसगढ़ से सिम खरीद कर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं।

88 लाख ठगी के मामले को सुलझाने में जुटी टीम

तेलीबांधा थना क्षेत्र में पिछले दिनों शेयर ट्रेडिंग के नाम पर नोएडा की महिला आईटी इंजीनियर के साथ 88 लाख रुपए ठगी के मामले को रेंज पुलिस सुलझाने में जुट गई है। इसके लिए महिला इंजीनियर ने जिन अकाउंट में रुपए ट्रांसफर किए हैं, उन अकाउंट के बारे में साइबर पुलिस जानकारी जुटा रही है। पुलिस के अनुसार महिला जालसाजों के जिन अकाउंट में रुपए ट्रांसफर किए हैं, वह दिल्ली के अलावा अन्य कई राज्यों के अलग-अलग शहरों के कई बैंक अकाउंट है। अकाउंट किन लोगों के हैं, रेंज पुलिस इस संबंध में जानकारी जुटा रही है।

डेढ़ सौ से ज्यादा कंपनियां बना रही हैं सर्दी, खांसी बुखार की दवा, सब बैन

- डेढ़ सौ से ज्यादा कंपनियां बना रहीं सर्दी, खांसी, बुखार की एक गोली
- दाग के साथ गोरा करने वाली कास्मेटिक क्रीम का 10 करोड़ का बाजार

छत्तीसगढ़ में 50 करोड़ का धंधा

केंद्र सरकार का दवा कंपनियों को झटका, एफडीसी से हो सकता है इंसानों को खतरा
दर्द, बुखार, सर्दी में इस्तेमाल होने वाली 156 दवाइयों पर प्रतिबंध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कई तरह की बीमारियों को ठीक करने वाली एक गोली अब दवा बाजार में नहीं मिलेगी। सर्दी, खांसी, बुखार को एक साथ दूर करने वाली दवा का छत्तीसगढ़ में हर माह पचास करोड़ का कारोबार होता है और डेढ़ सौ से ज्यादा फार्मा कंपनियां इससे संबंधित दवाओं का निर्माण करती हैं। इसी तरह दाग के साथ गोरा करने वाली कास्मेटिक क्रीम का हर महीने 10 करोड़ का कारोबार भी केंद्र सरकार के प्रतिबंध आदेश से प्रभावित हो गया है।

दवा कंपनियां कई बीमारियों का इलाज करने के लिए विभिन्न फार्मूला का उपयोग कर एक दवा बनाती हैं और असरकारक होने की वजह से इनका उपयोग भी काफी होने लगता है। इस तरह के साइड इफेक्ट को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार द्वारा 156 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन दवाओं को बैन कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ के दवा बाजार में इनमें सबसे ज्यादा खपत सर्दी, खांसी और बुखार को ठीक करने वाली गोली की होती है। इस तरह की दवाएं कई नामी कंपनियों द्वारा बनाई जाती ▶▶|शेष पेज 13 पर

इन दवाओं की डिमांड भी

इसके अलावा दवा बाजार में सामान्य तरीके से एसीडिटी के साथ पेट दर्द, बुखार के साथ दर्द, फोड़ा-फुंसी की क्रीम, दिमाग तेज करने के साथ मल्टीविटामिन वाली दवा शामिल है। दवा कारोबार से जुड़े सूत्रों का कहना है कि काम्बिनेशन वाली दवाओं को प्रतिबंधित किया गया है तो दवा दुकानों से इसकी तत्काल वापसी की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।

बड़ा असर नहीं

दवा कारोबारी वैभव जैन के मुताबिक दवाओं को प्रतिबंधित किए जाने का बड़ा असर बाजार में होने की संभावना कम है। लोग काम्बिनेशन के बजाए अपने मर्ज के हिसाब से दवा लेकर उसका उपयोग करेंगे। काम्बिनेशन वाली दवाओं का उपयोग कई बार सेहत के लिए बुरा होता है।

स्वास्थ्य हित पर फैसला

दवा कारोबार से जुड़े लोकेश साहू के अनुसार केंद्र सरकार द्वारा स्वास्थ्य हित में यह फैसला लिया गया है। काम्बिनेशन की वजह से लोग उस दवा का उपयोग भी करते है जिनकी जरूरत उन्हें नहीं होती। प्रतिबंधत दवाओं को तत्काल बाजार से वापस मंगाने की व्यवस्था भी होनी चाहिए।

दिसंबर तक प्रदेश में सभी सराफा एसोसिएशन के चुनाव कराने पर फैसला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन की पहली कार्यकारिणी में प्रदेश के सभी सराफा एसोसिएशन के चुनाव हर हाल में इस साल दिसंबर तक कराने का फैसला किया गया है। इसी के साथ साफ किया गया है कि किसी भी हाल में किसी भी एसोसिएशन का कार्यकाल तीन साल से ज्यादा का नहीं होगा। छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के महासचिव प्रकाश गोलछा ने बताया, बैठक में छत्तीसगढ़ प्रदेश से आंमत्रित सदस्य उपस्थित हुए। सदस्यों का परिचय व सम्मान किया गया। छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष कमल सोनी ने समस्त सराफा व्यापारियों को ▶▶|शेष पेज 13 पर

- छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन की पहली कार्यकारिणी में अहम फैसला

आधा दर्जन मौत के बाद विभाग अलर्ट स्वाइन फ्लू के अभी भी 23 एक्टिव केस

टेस्टिंग के लिए सभी वायरोलॉजी लैब को अपडेट करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बदलते मौसम और सर्दी, बुखार के बीच स्वाइन फ्लू की मौजूदगी से स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ चुका है। इस संक्रामक बीमारी की वजह से राज्य में आधा दर्जन की मौत हो चुकी है और 23 पीड़ितों का विभिन्न अस्पताल में इलाज चल रहा है। विभागीय स्तर पर जांच सुविधा को बढ़ाने के लिए सभी वायरोलॉजी लैब को अपडेट करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रदेश में जनवरी से लेकर अब तक स्वाइन फ्लू के 40 मामले सामने आ चुके हैं मगर पिछले दो माह में इनकी संख्या बढ़ी है और इनमें आधा दर्जन लोगों की मौत भी हो चुकी है। राज्य में अभी स्वाइन फ्लू ▶▶|शेष पेज 13 पर

मंकी पाक्स पर अलर्ट

स्वास्थ्य विभाग द्वारा एहतियात के तौर पर मंकी पॉक्स को ले कर भी अलर्ट जारी किया गया है। देश के कुछ राज्यों में मंकी पॉक्स के मामले सामने आ चुके है मगर राज्य में इसके केस नहीं मिले है। मंकी पॉक्स एक संक्रामक वायरल रोग है। इसके लक्षणों में बुखार, सूजी हुई लिम्फ नोड्स और एक दाने जो फफोले होना शामिल है।

सभी को निर्देश

स्वाइन फ्लू को लेकर सभी को सावधानी बरतने की हिदायत दी गई है। अस्पतालों में आईसोलेशन वार्ड के साथ संबंधित दवा और टेस्ट किट का इंतजाम करने कहा गया है।
- **डॉ. एसके पामभोई,** संचालक महामारी नियंत्रण

आईसोलेशन वार्ड का इंतजाम

स्वाइन फ्लू फैलने वाली खतरनाक बीमारी है इसलिए इसका इलाज करने को लेकर भी गाइडलाइन जारी किया गया है। अस्पतालों में इससे संबंधित मरीजों के उपचार के लिए पृथक से आईसोलेशन वार्ड का इंतजाम करने और ज्यादा दिनों तक किसी मरीज के सर्दी, बुखार ठीक नहीं होने पर एच1एन1 का टेस्ट करने की सलाह दी गई है।

शनिवार को 240 रुपए प्रति किलो दही और 1000 रुपए प्रति किलो घी में लोगों ने खरीदा

हलषष्ठी पर 60 वाला भैंस का दूध बिका 200 रुपए लीटर, 50 हजार लीटर खपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

संतान की लंबी आयु के लिए शुक्रवार को शहर में महिलाओं ने हलषष्ठी का पर्व मनाया। मान्यता अनुसार पर्व में व्रती महिलाएं पूजा-पाठ में भैंस के दूध, दही और घी का उपयोग अनिवार्य रूप से करती हैं। खास तौर पर ऐसी भैंस, जिसने पड़ा नर बच्चा जना हो। इसके करण शुक्रवार को भैंस के दूध की मांग सुबह से दोपहर तक देखने को मिली। सामान्य दिनों में 60 रुपए लीटर बिकने वाला भैस का दूध हलषष्ठी पर 200 रुपए लीटर तक बिका। गोकुल नगर डेयरी में सुबह से बड़ी संख्या ▶▶|शेष पेज 13 पर

- सामान्य दिनों में 60 रुपये में बिकने वाला भैंस का दूध हलषष्ठी में तीन गुने दाम में बिका

हर डेयरी में हजारों लीटर की खपत

मान्यता अनुसार एक ग्वालिन नगर में दूध-दही बेचती थी, जो कि मां बनने वाली थी। एक दिन की बात है। वह दूध-दही बेचने गांव में निकली, लेकिन उसी दौरान उसे प्रसव पीड़ा होने लगी। उसे पुत्र की प्राप्ति हुई। वह आसपास की झाड़ियों में पुत्र को छोड़कर दूध-दही बेचने निकल गई। उसने गाय के दूध को भैंस का बता कर बेच दिया। जब लौटकर झाड़ियों के पास आई तो देखा कि उसका बच्चा मर चुका था। इससे ग्वालिन को एहसास ▶▶|शेष पेज 13 पर

गांवों से दूध मंगाया हजार लीटर

सामान्य दिनों की अपेक्षा राजधानी में ही खासकर भैंस के दूध की खपत 30 से 35 हजार लीटर होती है, लेकिन हलषष्ठी की वजह से भैंस के दूध की खपत 50 हजार लीटर तक पहुंच जाती है। डेयरी संचालकों की मानें ▶▶|शेष पेज 13 पर

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

छह स्थानीय भाषाओं में 'नए भारत का नया कानून' पुस्तक का विमोचन

रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को नया रायपुर स्थित होटल मेफेयर में 'नए भारत का नया कानून' पुस्तक का विमोचन किया। यह पुस्तक '2023 के नए आपराधिक कानून' का छत्तीसगढ़ की छह प्रमुख स्थानीय भाषाओं हल्बी, गोंडी, भतरी, कुडुख, छत्तीसगढ़ी और हिंदी में रूपांतरित संस्करण है। विमोचन के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा उपस्थित थे।

श्रीकृष्णा धाम में 108 सामूहिक गोदान आज

रायपुर। बढ़ते कदम संस्था द्वारा मुरेठी स्थित श्रीकृष्णा गोधाम में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर रविवार को '108 सामूहिक गोदान' कार्यक्रम आयोजित है। गोशाला के सेवा प्रभारी सुनील नारवानी व अशोक गुरुबक्षाणी कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। संस्था के पूर्व अध्यक्ष नंदलाल मुलवानी ने बताया, वर्तमान में 130 गोमाता गोशाला में रह रही हैं। रविवार को सुबह से कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जहां पूजन कर गोदान किया जाएगा।

चालीहा महोत्सव के समापन में आएंगे संत साईं शेहरावाले

रायपुर। सिंधी समाज में पिछले 40 दिनों से व्रत, उपवास व आराधना कर चालीहा महोत्सव मनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत सिंधी समाजजन, जो भगवान झूलेलाल की पूजा-अर्चना करते हैं, वे 40 दिनों तक उपवास रखकर घर में जोत जलाकर भगवान झूलेलाल की आराधना कर रहे हैं, जिसके समापन के अवसर पर 27 अगस्त को अहमदाबाद के संत साईं शेहरावाले जो कि भगवान झूलेलाल के अवतार माने जाते हैं, उनका रायपुर आगमन हो रहा है, उनके आगमन पर समाज द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा। साथ ही विभिन्न आयोजन दो दिनों तक रायपुर शहर में किए जाएंगे। यह जानकारी साईं शेहरावाले से जुड़े सेवादारी महेश रोहरा, मुकेश थवानी, सुभाष बजाज और तनेश आहूजा ने देते हुए बताया कि रायपुर सिंधी समाज व थावानी परिवार की ओर से इस अवसर पर 27 अगस्त को साईंजी के शहर आगमन पर भव्य स्वागत किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भरत थवानी, दीपक थावानी, तनेश आहूजा, मुकेश थवानी, सुभाष बजाज, ज्ञानू उदासी, महेश रोहरा, राजेश वाधवानी, प्रहलाद खेमानी, गुलशन उदासी, सागर दुल्हानी, अंकित थवानी आदि सक्रिय रूप से लगे हुए हैं।

देव्यानी पब्लिक स्कूल में मनाया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

रायपुर। देव्यानी पब्लिक स्कूल डूण्डा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। भारतीय तीज-त्योहार व विभिन्न लोकपर्व से बच्चों को जोड़ने के लिए स्कूल में विविध कार्यक्रमों के आयोजन किया जाता है, जिसमें श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का खास आकर्षण होता है। इस अवसर पर बच्चे श्रीकृष्ण, राधारानी, बलराम, देवकी, यशोदा, सुदामा, ग्वाल-बाल के वेशभूषा में सज धजकर स्कूल पहुंचे। इसी दौरान गोकुल और ब्रजधाम की तरह सजे शाला परिसर में बच्चों ने विभिन्न भजनों में आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं के लिए मटकाफोड़ प्रतियोगिता रखी गई, जिसमें सभी बच्चों ने हर्षोल्लास के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में शाला प्राचार्य नागेश कुमार साहू, जयंत साहू, चंदन साहू, सावित्री यादव, भुनेश्वरी साहू, जानकी धनगर, मालविका चंद्राकर, अर्चना साहू आदि शामिल थे।

शाह ने कहा- नक्सली हथियार छोड़ें, हम उनकी चिंता करेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, अलग-अलग राज्य सरकारों के बीच जॉइंट टास्क फ़ोर्स बनाया गया है। केंद्र सरकार की एजेंसियां कोआर्डिनेशन को बेहतर कर रही है। फर्जी मुठभेड़ के आरोपों पर उन्होंने कहा, कांग्रेस अपना काम कर रही है। हम अपना काम कर रहे हैं। शांति वार्ता पर अमित शाह ने अपील करते हुए कहा, नक्सली सरेंडर करें, हथियार छोड़े हम उनकी चिंता करेंगे। हिड़मा के गांव जाने के सवाल पर गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, राज्य के गृहमंत्री अगर मुझे लेकर जाएंगे तो मैं चला जाऊंगा।

छत्तीसगढ़ में वामपंथी उग्रवाद की समीक्षा बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, नक्सलवाद की विचारधारा के बजाय विकास के प्रति विश्वास जगाने का काम किया है। उन्होंने कहा, वामपंथी उग्रवाद देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। नक्सलवाद में शामिल युवाओं से हिंसा छोड़ने और देश के विकास के महायज्ञ में शामिल होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, सुरक्षा बल इस समस्या से लड़ने के साथ-साथ वाम उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों पर भी नजर रख रहे हैं। मोदी सरकार के पिछले 10 वर्षों में छत्तीसगढ़ में कनेक्टिविटी, सड़क निर्माण और वित्तीय समायोजन की दिशा में बहुत काम हुआ है। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ सरकार जल्द ही नई आत्मसमर्पण नीति लाएगी जिससे युवा हथियार छोड़कर प्रभावी तरीके से विकास की मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे।

छत्तीसगढ़ सरकार नई आत्मसमर्पण नीति जल्द लाएगी

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बढ़ीं सुविधाएं

बस्तर में 1500 से ज्यादा मोबाइल टावर लगाकर कनेक्टिविटी देने का काम किया है। सड़कों की कनेक्टिविटी को बेहतर किया गया है। हर तीन किलोमीटर में एक डाकघर खोला गया है। बैंक, एटीएम जैसी सुविधाएं पहली बार अंदूरूनी इलाको में पहुंचा है। कौशल विकास के लिए आईटीआई खोले गए हैं। 164 एकलव्य विद्यालय खोले गए हैं।

निरक्षर को साक्षर बनाने अभियान

उन्होंने कहा कि 2017 में सीआरपीएफ में 'बस्तरिया बटालियन' का गठन किया गया था जिसमें सभी जवान बस्तर क्षेत्र से थे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी लेकर 2022 में विशेष अभियान के तहत दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर के 400 आदिवासी जवानों को इस बटालियन में भर्ती किया गया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने सभी सरकारी योजनाओं को शत-प्रतिशत पूरा करने के लिए मार्च 2025 तक का लक्ष्य रखा है। गृह मंत्रालय और छत्तीसगढ़ सरकार संयुक्त रूप से उन लोगों को शिक्षित करने के लिए एक अभियान चलाएगी जो अशिक्षित रह गए हैं।

केंद्रीय मंत्री शाह ने वामपंथी उग्रवाद की समीक्षा और अंतर्राज्यीय समन्वय बैठक ली

नक्सलियों से आर-पार की लड़ाई की बनी रणनीति
7 राज्यों के साथ मिलकर होगा नक्सलवाद का सफाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को छत्तीसगढ़ के रायपुर में छत्तीसगढ़ एवं पड़ोसी सात राज्यों के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों के साथ नक्सलवाद की समीक्षा और अंतर्राज्यीय समन्वय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में वामपंथी उग्रवाद से निपटने की रणनीति बनी अंतर्राज्यीय समन्वय के साथ इसका सफाया किया जाएगा। साथ ही सुरक्षा बलों के क्षमता निर्माण, वामपंथी उग्रवाद मामलों की शीघ्र जांच और अभियोजन तथा नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों के व्यापक विकास जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई।

गृह मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ अभियान अब निर्णायक मोड़ पर है और मार्च, 2026 से पहले हम नक्सलवाद को देश से पूरी तरह समाप्त करने के प्रति कटिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, नक्सलवाद के खिलाफ अभियान की शुरुआत में जो गति और तीव्रता थी, उससे दो गुना गति और तीव्रता से अब हमें 2 साल और काम करने की जरूरत है तभी इस समस्या को पूरी तरह समाप्त किया जा सकेगा। उन्होंने कहा, मोदी सरकार ने वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ विकास, प्रॉसीक्यूशन और ऑपरेशन के तीनों मोर्चों पर एक संपूर्ण रणनीति के साथ लड़ाई लड़ी है, जिसके परिणामस्वरूप ये समस्या अब काफी हद तक सिमट गई है। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय, केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, निदेशक, आसूचना ब्यूरो और राष्ट्रीय जांच एजेंसी , सीआरपीएफ, बीएसएफ, एसएसबी और आईटीबीपी के महानिदेशक शामिल हुए। बैठक में आंध्र प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और तेलंगाना के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक भी शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ के गिने-चुने क्षेत्र में समिति

उन्होंने कहा, अब ये समस्या छत्तीसगढ़ के गिने चुने क्षेत्रों तक सीमित रह गई है। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के कारण पिछले 7 महीनों में राज्य सरकार ने इससे पहले अब तक की इसी अवधि में बहुत बेहतर काम किया है। इन 7 महीनों में सबसे ज़्यादा नक्सली मारे गए हैं, सबसे अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है और गिरफ्तार किए गए हैं। गृह मंत्री ने छत्तीसगढ़ शासन को बधाई कि नई सरकार बनने के बाद वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ अभियान अच्छे ढंग से आगे बढ़ रहा है।

डीजीपी हर सप्ताह बनाएं कार्ययोजना सीएस पखवाड़े में करेंगे समीक्षा

अमित शाह ने कहा, वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ अभियान को और गति देने के लिए सभी पुलिस महानिदेशकों को अपने राज्यों में हर सप्ताह नक्सल ऑपरेशन में लगी टीम के साथ बैठक कर कार्ययोजना बनानी चाहिए। उन्होंने कहा, इसके साथ ही मुख्य सचिवों को हर 15 दिन में एक बार नक्सल अभियान से जुड़े विकास कार्यों की समीक्षा बैठक करनी चाहिए। जब तक नक्सल अभियान की सतत निगरानी नहीं होगी तब तक हम अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं कर सकेंगे। उन्होंने कहा, ज्वाइंट टास्क फोर्स को हर राज्य में अनुभवी और उपयुक्त बल उपलब्ध हो। ये अभियान एक विशिष्ट प्रकार के स्किल के साथ करने वाला काम है और इसमें उन्हीं अधिकारियों को लगाना चाहिए जो इसके लिए उपयुक्त हैं तथा जिन्हें क्षेत्र की जानकारी हो। उन्होंने कहा, पुलिस महानिदेशकों को स्वयं ज्वाइंट टास्क फोर्स की समीक्षा और उनमें बदलाव करने चाहिए।

विचारधारा की नहीं, विकास में पिछड़े क्षेत्र

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा, नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई सिर्फ विचारधारा की लड़ाई नहीं है बल्कि विकास के अभाव के कारण पिछड़ रहे क्षेत्रों की भी है। उन्होंने कहा कि वामपंथी उग्रवाद फैलाने वाले लोग इमोशनल तरीके से ट्राइबल भाइयों-बहनों और पूरे समुदाय को गलत रास्ते पर ले जाने का काम करते हैं।

आत्मसमर्पण नीति लचीली हो

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा, राज्यों की स्पेशल जांच एजेंसी को एनआईए की तर्ज पर जांच और प्रॉसीक्यूशन के लिए तैयार और प्रशिक्षित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, जब तक राज्य, उग्रवादी को सजा नहीं दिलाएंगे, तब तक इस समस्या पर काबू नहीं पाया जा सकेगा। आत्मसमर्पण की नीति लचीली होनी चाहिए लेकिन इसका गलत उपयोग न हो, इसके लिए प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा, राज्यों को नक्सलवाद से संबंधित अंतर्राज्यीय मामलों की जांच एनआईए को देनी चाहिए।

हथियारों की सप्लाई और निर्माण पर राज्य दें ध्यान

उन्होंने कहा, वामपंथी उग्रवाद के वित्त पोषण, हथियारों की सप्लाई और उनकी मैन्युफैक्चरिंग पर हर राज्य को बहुत ध्यान से काम करने की जरूरत है। वामपंथी उग्रवाद की सप्लाई चेन और इसके वित्तपोषण पर समग्रता से प्रहार करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, मोदी सरकार वामपंथी उग्रवाद के पूरे इकोसिस्टम को खत्म करने के प्रति कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों को मिलकर इस अभियान को तुलनात्मक रूप तरीके से आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा, यूएपीए के मामलों में प्रॉसीक्यूशन को बेहतर रूप से तैयार करने के लिए के लिए स्टैंडर्ड आपरेटिंग प्रोसीजर के जरिए समन्वय पर ध्यान दिया जाना चाहिए। वामपंथी उग्रवाद मामलों की जांच से जुड़ी और प्रॉसीक्यूशन टीमों की ट्रेनिंग एनआईए से कराए जाने पर बल दिया।

वामपंथी के समर्थकों से विनम्रता और दृढ़ता से पेश आएं

उन्होंने कहा, हमें वामपंथी उग्रवाद की विचारधारा का समर्थन करने वालों से लड़ने के साथ ही अपनी बात विनम्रता और दृढ़ता के साथ समाज के सभी वर्गों को भी बतानी होगी।

शाह ने की महाप्रभु वल्लभाचार्य के मुख्य प्राकट्य बैठक स्थल और चम्पेश्वर महादेव की पूजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ के पवित्र धाम चंपारण पहुंचे। यहां उन्होंने महाप्रभु वल्लभाचार्य के मुख्य प्राकट्य बैठक स्थल और चम्पेश्वर महादेव की पूजा अर्चना की और देशवासियों की सुख समृद्धि की कामना की। इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल भी उनके साथ थे। चंपारण में महाप्रभु वल्लभाचार्य आश्रम पहुंचने पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का परम्परागत ढंग से स्वागत किया गया। इस मौके पर द्वारिकेश्वर लाल महाराज द्वारा उन्हें महाप्रभु वल्लभाचार्य की प्रतिमा भेंट की गई। वल्लभाचार्य निधि ट्रस्ट की ओर से भी उनका स्वागत किया गया तथा हरीश बाबरिया और मोनल बाबरिया द्वारा उन्हें श्रीनाथ का चित्र भेंट किया। छत्तीसगढ़ में महाप्रभु वल्लभाचार्य के जन्मस्थली चंपारण में देशभर से पुष्टिमार्ग के अनुयायी जुटते हैं। बनारस-दक्षिण प्रवास के दौरान वल्लभाचार्य की माता को प्रसव पीड़ा हुई और चंपारण में चम्पेश्वर महादेव मंदिर के निकट उन्होंने बालक को जन्म दिया।

चंपारण की कहानी सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाती है

भारत में हमेशा से उत्तर से दक्षिण भारत की ओर तथा दक्षिण भारत से उत्तर की ओर तीर्थ यात्रा की परंपरा रही है और यह तीर्थ यात्रा महानदी के बहुत से तीर्थ स्थलों के निकट से गुजरती है। चंपारण की कहानी अपने आप में भारत की विशिष्ट सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाती है। उसके साथ ही यह महाप्रभु वल्लभाचार्य एवं भक्ति आंदोलन के आचार्यों की सुंदर परंपरा को भी दर्शाती है जिन्होंने सनातन परंपरा के मूल्यों को संजोया और कृष्ण भक्ति की अलख जगाई। चौरासी वैष्णवों की वार्ता तथा वल्लभ दिग्विजय जैसे ग्रंथों में महाप्रभु के बचपन और उनकी सुंदर स्मृतियां दर्ज हैं। चंपारण, त्रिवेणी संगम राजिम के निकट है राजिम में भगवान श्रीराजीव लोचन विराजित हैं।

गुरु खुशवंत बोले- आरोपी के लिए कांग्रेस का प्रदर्शन शर्मनाक कृत्य

सतनामी समाज के न्याय की लड़ाई में बाधा बन रही कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस के प्रदर्शन को अराजकता फैलाने के लिए किया जा रहा प्रलाप बताया है।

गुरु खुशवंत साहेब ने कहा, दरअसल बलौदाबाजार के हिंसक घटनाक्रम में निरे एक प्यादे प्रतीत हो रहे देवेन्द्र यादव की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस के पूरे ईको सिस्टम की बौखलाहट यही है कि उसका सारा षड्यंत्र पर्दाफाश हो जाएगा और इसलिए इस तरह की फ्लॉप सियासी नौटंकियों के जरिए कांग्रेसी प्रदेश की जनता का ध्यान भटकाने की नाकाम

कोशिश कर रहे हैं। गुरु खुशवंत ने कहा, एक ऐसा व्यक्ति, जिसने सफेद झंडे का अपमान किया, जो सतनामी समाज की भावनाओं को आहत करने वालों को प्रेरित करने का आरोपी है, ऐसे आरोपी का साथ देकर कांग्रेस सतनामी समाज के न्याय की लड़ाई में बाधा बन रही है। समाज की भावनाओं को आहत कर रही है और हमेशा से कांग्रेस ने कभी यह नहीं चाहा कि सतनामी समाज को कभी न्याय मिले। ऐसे संवेदनशील विषयों पर आरोपियों का साथ देना कहीं-न-कहीं ऐसे गंभीर मामलों में संलिप्तता दिखती है , कांग्रेस जो कर रही है, उससे लगता है कि देवेंद्र यादव को समर्थन देना उसकी मजबूरी है। शायद सभी लोग इस घिनौने काम में लिप्त हैं। गुरु खुशवंत ने कहा, अगर कांग्रेस संविधान को हाथ में लेकर घूमती है और संविधान को मानती है तो न्यायिक प्रक्रिया का सामना करने से क्यों डरती है। अगर देवेंद्र यादव निर्दोष हैं तो क्यों इतने प्रदर्शन करने की जरूरत पड़ रही है। कांग्रेस की हर एक हरकतें बताती है कि कुछ-न-कुछ गलत हुआ है। सतनामी समाज की भावनाओं को कांग्रेस लगातार आहत कर रही है। आरक्षण समेत अनेक मामले इस बात के गवाह हैं।

साव ने कहा - कांग्रेस बताए, क्या वो नेशनल कांफ्रेंस के अलग झंडे का भी समर्थन करती है

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा, आज जिस प्रकार से चुनाव की दृष्टि से नेशनल कांफ्रेंस से कांग्रेस पार्टी ने जो गठबंधन किया है तो अब कांग्रेस पार्टी को जवाब देना पड़ेगा कि नेशनल कांफ्रेंस से गठबंधन के बाद क्या कांग्रेस नेशनल कांफ्रेंस के अलग झंडा की मांग का भी समर्थन करती है। कांग्रेस और राहुल गांधी को यह भी बताना पड़ेगा कि नेशनल कांफ्रेंस का 370 और 35 ए को फिर से वापस लाकर जम्मू कश्मीर में फिर अशांति और आतंक के युग में धकेलने के एजेंडे का भी क्या कांग्रेस समर्थन करती है।

- गठबंधन से कांग्रेस का आरक्षण विरोधी चेहरा एक बार फिर से सामने आया

श्री साव ने कहा, आज जम्मू कश्मीर की जनता श्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के काम और निर्णय से बहुत प्रसन्न है पर कांग्रेस पार्टी को

यह भी बताना पड़ेगा कि नेशनल कांफ्रेंस के इस वादे का भी क्या कांग्रेस समर्थन करती है कि कश्मीर के युवाओं के बजाय पाकिस्तान से वार्ता करके फिर से अलगाववाद को बढ़ावा दे? क्या कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी एलओसी को शुरू करके फिर से बॉर्डर पर आतंकवाद और उनके इकोसिस्टम के समर्थ पोषण का समर्थन करती है? कांग्रेस पार्टी को यह भी बताना पड़ेगा कि आतंकवाद और पत्थर बाजी की घटनाओं में शामिल लोगों को परिजनों को फिर से नौकरी में बहाल कर आतंकवाद और दहशतगर्दी को फिर से कश्मीर में लाना चाहते हैं? श्री साव ने कहा, इस गठबंधन से कांग्रेस पार्टी का आरक्षण विरोधी चेहरा एक बार फिर से सामने आया है। धारा 370 व 35 ए समाप्त होने के बाद दलित, गुर्जर, बकरवाल और पहाड़ियों को जो आरक्षण मिल रहा है, वह भी समाप्त करने की इनकी मानसिकता है। कांग्रेस को इस पर भी अपना रुख स्पष्ट करना पड़ेगा। जम्मू कश्मीर की अर्थव्यवस्था को क्या फिर से पाकिस्तान समर्पित परिवारों के हाथों में सौंप कर जम्मू कश्मीर के आम लोगों के हकों पर डाका डालने का समर्थन करते हैं। कांग्रेस पार्टी को यह भी बताना पड़ेगा कि नेशनल कांफ्रेंस के कश्मीर को ऑटोनॉमी देने के फायदे का भी समर्थन करते हैं जो विभाजनकारी मानसिकता का परिचायक है। कांग्रेस पार्टी जम्मू कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस के साथ गठबंधन करके फिर से जम्मू कश्मीर को उसी आतंकवाद, पत्थर बाजी, दहशतगर्दी के दौर में लाकर जम्मू कश्मीर को फिर बर्बाद करने की जो मानसिकता है उसके साथ जुड़कर काम कर रही है।

2004-05 से लेकर 2013-14 तक राज्यों को 1181 करोड़ रुपए दिए गए थे

शाह बोले- नक्सल क्षेत्रों में सुरक्षा पर तीन हजार करोड़ से अधिक खर्च, 10 साल में राशि बढ़ी 154 प्रतिशत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जानकारी दी है कि देश में नक्सल क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई योजना) के तहत 2014 से लेकर 2023-24 के बीच 3 हजार 6 करोड़ रुपए प्रभावित राज्यों को दिए गए हैं। जबकि इससे पहले 2004-5 से लेकर 2013-14 तक राज्यों को 1181 करोड़ रुपए दिए गए थे। इस तरह पिछले दस वर्षों में सुरक्षा संबंधी व्यया में 154 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। श्री शाह ने नक्सल प्रभावित राज्यों की को-आर्डिनेशन कमेटी की बैठक के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए यह जानकारी दी। इसी तरह स्पेशल इंफ्रा स्ट्रक्टचर स्कीम(एसआईएस 2017 में अनुमोदित हुई 991 करोड़ रुपए के कार्य और परियोजनाओं में खर्च हुए। एसआईबी राज्यों के स्पेशल फोर्स के लिए दिए गए। इसमें से 80 प्रतिशत काम पूरे हो चुके हैं। 620 करोड़ की लागत से 246 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इनमें से 209 पूरे हो चुके हैं। इसी तरह विस्तारित एसआईएस के तहत 31 मार्च 2026 जो काम कराए जाने हैं उनमें 247 करोड़ के कार्य और परियोजनाओं के लिए हैं। इसमें एसआईबी तथा राज्यों के स्पेशल फोर्स के लिए 363 करोड़ के कार्य एवं परियोजनाएं जिला पुलिस के लिए है। 140 करोड़ रुपए लागत से 56 फोर्टफाइड पुलिस स्टेशन प्रस्तावित हैं।

कौशल विकास के लिए ये काम

श्री शाह के अनुसार नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में कौशल विकास के लिए 43 आईटीआई तथा 49 कौशल विकास केंद्र क्रियाशील किए गए हैं। इसी तरह पिछले पांच साल में शिक्षा के क्षेत्र में 254 एकलव्य स्कूल स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 130 क्रियाशील हैं। वित्तीय समावेशन के लिए 5 हजार 731 पोस्ट आफिस 2015 के बाद खोले गए हैं।

सबसे अधिक प्रभावित जिलों के लिए 3450 करोड़

श्री शाह ने बताया कि स्पेशल सेंट्रल असिस्टेंस(एससीए) के तहत 2017 में 3450 करोड़ रुपए अनुमोदित किए गए हैं। यह राशि सबसे अधिक प्रभावित जिलों के लिए हैं। इसी क्रम में उन्होंने बताया कि नक्सल प्रभावित जिलों सड़क संपर्क को मजबूत करने के लिए 17 हजार 589 किलोमीटर सड़के स्वीकृत की गई हैं। इससे पहले 2014 के पूर्व 5 हजार 361 किलोमीटर सड़के मंजूर हुई थी। 2014 के बाद से अब तक 12 हजार 228 किलोमीटर लंबी सड़के मई 2014 के बाद बनाई गई है। केंद्र सरकार ने 5 हजार 139 मोबाईल टावर स्थापित किए हैं।

नाम परिवर्तन (शपत्र पत्र)

मैं डेकेश्वर प्रसाद वर्मा उम्र 41 वर्ष लगभग पिता श्री रोमनाथ वर्मा निवासी एकता नगर गुढ़ियारी रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. शपथपूर्वक निम्न कथन करता/करती हूं कि:-

1. यह कि मेरा नाम पिता व पता उपर वर्णित अनुसार सत्य एवं सही है।
2. यह कि मेरे पुत्र रेयांश वर्मा REYANSH VERMA का जन्म 26/07/2016 को हुआ है जिसका जन्म सुप्रीता हास्पिटल रायपुर में हुआ है। माता का नाम श्रीमती नेहा वर्मा है। जन्म प्रमाणपत्र नगर निगम रायपुर से जारी हुआ है जिसका पंजीयन क्र. 2016-01-019178 जारी दिनांक 16/08/2016 है।
3. यह कि उक्त जन्म प्रमाणपत्र में मेरे पुत्र का नाम रेयांश वर्मा REYANSH VERMA अंकित है। जबकि मेरे पुत्र का वास्तविक नाम ईशान वर्मा ISHAN VERMA जो कि सत्य एवं सही है।
4. यह कि मैं अपने पुत्र के जन्म प्रमाणपत्र में पुत्र का वास्तविक नाम ईशान वर्मा ISHAN VERMA दर्ज कराना चाहता हूं ताकि भविष्य में नाम के संबंध में किसी प्रकार का वाद विवाद उत्पन्न ना हो।
5. यह कि उक्त कथनों की सत्यता में यह शपथपत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

सत्यापन

शपथपत्र की कंडिका 01 से 05 सत्य एवं सही है।

रायपुर छ.ग.
दिनांक 24/08/2024

शपथकर्ता

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर -3, तहसील व जिला रायपुर छत्तीसगढ़

:: आम सूचना ::

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम डूमरतालाब प.ह.नं. 53, रा.नि.मं. रायपुर-3 तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित भूमि के संबंध में आवेदक अभिजीत यदु पिता राजेन्द्र कुमार निवासी हीरापुर रायपुर के द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 231/12 रकबा 0.014 हे. का सीमांकन हेतु आवेदन न्यायालय तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय अति. तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 16/08/2024 के परिपालन में दिनांक 30/08/2024 को 12.00 बजे पश्चात किया जाना नियत है। अतएव उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय पर पटवारी कार्यालय में उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबंध में जो भी उजर, दावा अथवा आपत्ति हो तो समक्ष प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन उपरांत किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नही होगी।

सो सूचना जाने।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-3, कोटा
तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.)

खबर संक्षेप

ऑपरेटरों को दिया आधार से जुड़े वित्तीय लेनदेन का प्रशिक्षण

रायपुर। हैदराबाद से आई यूआईडीएआई की टीम ने आधार ऑपरेटरों को आधार से जुड़े वित्तीय लेनदेन के संबंध में प्रशिक्षण दिया। इसके लिए शुक्रवार को कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सोसायटी हॉल में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला रखी गई थी। इस कार्यक्रम में यूआईडीएआई क्षेत्रीय कार्यालय के सहायक प्रबंधक सनी सिंह एवं सौरभ रामटेके के द्वारा आधार ऑपरेटरों को आधार से जुड़े वित्तीय लेनदेन के संबंध में बारिकी से प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में जिले के सीएससी एवं सीआरजीबी के 60 ऑपरेटरों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में ई जिला प्रबंधक रायपुर कीर्ति शर्मा भी उपस्थित रही।

निधन

संजय कुमार सुरावधनीवार

रायपुर। शिवानंद नगर निवासी संजय कुमार सुरावधनीवार (65) का 24 अगस्त को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 25 अगस्त को सुबह 11.30 बजे देवेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे सीनियर सिटीजन वेलफेयर फोरम के अध्यक्ष प्रकाश सुरावधानीवार के छोटे भाई थे। उनके निधन पर छग प्रगतिशील यादव महासंघ के महासचिव निरंजन सिंह यादव सहित पदाधिकारियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की है।

मंजुलाबेन चावड़ा

रायपुर। फाफाडीह निवासी मंजुलाबेन हरिलाल भाई चावड़ा (84) का 24 अगस्त को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 25 अगस्त को सुबह 10 बजे उनके निवास स्थान से देवेंद्र नगर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे कच्छ गुर्जर क्षत्रिय समाज के राष्ट्रीय व रायपुर इकाई के सचिव गौरव चावड़ा की माता थीं।

सुधा उपाध्याय

रायपुर। रामकुण्ड निवासी सुधा उपाध्याय कपसदा वाली (75) का 24 अगस्त को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 25 अगस्त को सुबह 11 बजे उनके निवास स्थान से महादेवघाट श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे तोषपाल उपाध्याय की पत्नी और निधि, नीलिमा, निवेदिता की माता थीं।

आईएसबीटी भाठागांव में निगम का को-वर्किंग और इनक्यूबेशन सेंटर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने नगर निगम भाठागांव स्थित बस टर्मिनल परिसर में नए उद्यमियों के लिए आधुनिक सेंटर लांच करने जा रहा है। जिसमें पहले चरण में 150 प्रतिभागियों को व्यवसायिक गतिविधियों को जानने और समझने का मौका मिलेगा। आधुनिक सुविधा से युक्त इस सेंटर को आगे चलकर 500 सीटों तक विस्तार करने की योजना है। निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने शनिवार को इस सेंटर का दौरा किया।

जल्द होगा लांच, नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने खुलेगा सेंटर

खास बातें

- पहले चरण में 150 प्रतिभागियों को समझने का मिलेगा मौका
- निगम आयुक्त ने सेंटर का किया दौरा

सेंटर में इस तरह की रहेगी सुविधा

नया उद्यम लगाने वाले युवाओं के मार्गदर्शन के लिए इस केंद्र में 3 छोटे और 1 बड़े कॉन्फ्रेंस रूम बनाये गये हैं। फाउंडर केबिन्स, मनोरंजन के लिए गेम्स और बैठने के स्थानों के साथ एक सामुदायिक हॉल बनाया गया है। कैंपस में वाई-फाई की सुविधा रहेगी। रिसेप्शन और प्रतीक्षा लाउंज के साथ सेंटर में आने-जाने वालों के रिफ्रेसमेंट की सुविधा के लिए कैंटीन की सुविधा शामिल हैं।

राजधानी के भाठागांव स्थित नए बस स्टैंड परिसर में नगर निगम जल्द ही को-वर्किंग और इनक्यूबेशन सेंटर लांच करेगा। नए उद्यमियों के लिए यह सेंटर एक प्लेटफार्म की तरह काम करेगा। निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने बताया कि केंद्र सरकार की आरडीयूपीएसएस योजना के तहत सेंटर संचालित किया जाएगा। निगम ने सिस्टम इंटीग्रेटर को शामिल करने टेंडर जारी कर दिया है, जिसकी प्रक्रिया सितंबर के पहले सप्ताह तक पूरी होगी। श्री मिश्रा ने परियोजना प्रभारी को निर्देश दिया कि सेंटर से जुड़े बाकी सभी कार्य सप्ताह भर के भीतर पूरे किये जाएं।

बारिश में प्रॉपर्टी की खरीदी

बिक्री का कारोबार धड़ाम

रजिस्ट्री कम होने से पंजीयन विभाग का राजस्व भी घटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बारिश का प्रॉपर्टी की खरीदी-बिक्री पर खासा प्रभाव पड़ा है। जमीन, मकान, फ्लैट्स सभी तरह की प्रॉपर्टी की खरीदी-बिक्री कम हो गई है। इसके कारण पंजीयन दफ्तरों में रजिस्ट्री कराने भी लोग कम पहुंच रहे हैं।

- जुलाई माह में साढ़े चार हजार से अधिक रजिस्ट्रियां हुई थी

रजिस्ट्री कम होने के कारण पंजीयन विभाग को हर महीने राजस्व आय के रूप में होने वाली कमाई में भी भारी गिरावट आई है।

अगस्त माह में 20 तारीख तक रजिस्ट्री का आकड़ा दो हजार भी पहुंच नहीं पाया है, जबकि जुलाई माह में साढ़े चार हजार से अधिक रजिस्ट्रियां हुई थी।

व्यापार का भी असर

बारिश का असर इस बार प्रॉपर्टी की खरीदी-बिक्री के कारोबार पर जमकर पड़ा है। रायपुर जिले में इस बार सावनभर बारिश हुई है। जुलाई के दूसरे पखवाड़ा से शुरू हुई बारिश अगस्त माह के प्रथम पखवाड़े तक चली, वहीं दूसरे पखवाड़े में भी बारिश हो रही है। बारिश के सीजन में वैसे ही विभिन्न व्यापारों में भी गिरावट आती है, लेकिन इस बार लगातार बारिश होने से व्यापार में ज्यादा गिरावट आई है। इसके कारण भी इस बार प्रॉपर्टी की खरीदी-बिक्री कम हुई है।

छुट्टियों का भी असर

चालू माह में इस बार सरकारी छुट्टियां भी ज्यादा है। शनिवार और रविवार की 9 छुट्टियों के अलावा आदिवासी दिवस, स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त, रक्षाबंधन एवं जन्माष्टमीं मिलाकर 13 छुट्टियां है। इनमें पहले पखवाड़े में 7 छुट्टियां पड़ी थी, जबकि दूसरे पखवाड़े में 6 छुट्टियां है। इस तरह इन छुट्टियों में 13 दिन पंजीयन दफ्तर भी बंद रहेंगे।

बारिश व छुट्टियों के कारण कम रजिस्ट्री

लगातार बारिश और छुट्टियों के कारण चालू माह में रजिस्ट्री कराने कम लोग आ रहे हैं।
- *आशुतोष कौशिक, जिला पंजीयक रायपुर*

जुलाई की तुलना में अगस्त में 50 प्रतिशत भी नहीं पहुंची कमाई

अगस्त माह में 20 तारीख तक 1930 रजिस्ट्रियां हुई है। इन रजिस्ट्रियों से पंजीयन फीस से 13 करोड़ 45 लाख एवं मुद्रांक फीस से 20 करोड़ 45 लाख रुपए कुल 34 करोड़ करोड़ 30 लाख रुपए की आय हुई है, जबकि जुलाई माह में पंजीयन फीस से 31 करोड़ 95 लाख एवं मुद्रांक फीस से 47 करोड़ 70 लाख रुपए कुल 79 करोड़ 65 लाख रुपए की आय हुई थी।

शहर जिला भाजपा को दो लाख सदस्य बनाने का मिला लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में भाजपा के सदस्यता अभियान के तहत रायपुर को दो लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य मिला है। इसके लिए कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देने शनिवार को एकात्म परिसर में शहर जिला भाजपा की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बताया गया एक सितंबर से सदस्यता अभियान का प्रारंभ होगा। हर बूथ में दो सौ सदस्य बनाने का लक्ष्य तय किया गया है।

- हर बूथ के लिए दो-दो सौ सदस्य बनाने का लक्ष्य

बैठक में राजनांदगांव सांसद संतोष पाण्डेय, महासमुंद की सांसद रूपकुमारी चौधरी ने सदस्यता अभियान के संदर्भ में विस्तृत मार्गदर्शन दिया। सांसद संतोष पांडेय ने कहा, सदस्यता अभियान किसी भी राजनीतिक दल की मजबूती के मापदंड का आधार है। भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है और इसके कार्यकर्ता मिलकर एक मजबूत सरकार का निर्माण करने में अपना अहम योगदान देते हैं। सभी बूथों पर सांसदों, विधायकों, जिपं अध्यक्षों, महापौरों को भी लक्ष्य दिए जाएंगे और सभी बूथ स्तर तक जाएंगे। प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में 100 विशिष्ट जनों को सदस्य बनाना है। अटल जी के जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त 20 सदस्य बनाना है। इसके बाद सक्रिय सदस्यता के लिए काम होगा। सक्रिय सदस्य के संबंध में प्रदेश और जिला अध्यक्ष निर्णय लेंगे। सदस्यता अभियान की रायपुर प्रभारी महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी ने कहा, आप सभी से हम सदस्यता अभियान में सदस्य जोड़ने में भी नया कीर्तिमान स्थापित करने की आशा करते हैं। इस बार के सदस्यता अभियान में एकदम सटीक डाटा मिले, इसके लिए मुख्य पदाधिकारियों को बूथ स्तर तक प्रवास करके सदस्यता अभियान को पूर्ण करना है। जिला भाजपा अध्यक्ष जयंती पटेल ने कहा, राजधानी होने के नाते सदैव हमारे कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी होती है और आप सभी के अथक परिश्रम से उस जिम्मेदारी को सफलता से पूर्ण भी किया गया है। अबकी बार हमें सदस्यता अभियान में 2 लाख से अधिक सदस्य बनाए जाने का लक्ष्य प्राप्त है जिसके लिए आप सभी को अपना पूर्ण योगदान देना आवश्यक है। 1 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली से सदस्यता ग्रहण कर अभियान शुरु करेंगे।

अगले दिन 2 सितंबर को प्रदेश और 3 सितंबर को जिला मुख्यालयों में और फिर मंडल मुख्यालयों तक समारोह पूर्वक सदस्यता अभियान की शुरूआत होगी। जिला महामंत्री सत्यम दुवा ने संचालन और आभार प्रदर्शन जिला उपाध्यक्ष आशु चंद्रवंशी ने किया।

दूर जिलों में बरसे बादल, शहर में रात को हल्की बारिश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

निम्नदाब के असर से राज्य के सीमावर्ती जिलों में भारी बारिश हुई, मगर राजधानी में इसका मामूली असर रहा। दोपहर में यहां बादल तो छाए रहे, पर बारिश की स्थिति रात में बनी। आने वाले दिनों में प्रदेश में बारिश की गतिविधि में दो-तीन दिनों तक कमी आने की संभावना बन रही है।

- दोपहर बाद छाए रहे बादल
- राजधानी रायपुर में बारिश का असर नहीं रहा

मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के अनुसार, निम्नदाब का क्षेत्र आगे बढ़ते हुए पश्चिमी मध्यप्रदेश पहुंचकर अवदाब में बदलने की संभावना है। इसका कोई बड़ा असर प्रदेश के मौसम पर बारिश के रूप में होने की संभावना नहीं है। आने वाले दिनों में यहां मानसून की गतिविधि में कमी आने के आसार बन रहे हैं। पिछले चौबीस घंटे में राज्य के कुछ इलाकों में भारी वर्षा दर्ज की गई है। इनमें जांजगीर-चांपा जिले के अड़भार में 19 सेमी. तक बारिश हुई। इसके अलावा सरगुजा और बिलासपुर संभाग के कई इलाकों में भारी बारिश दर्ज की गई है। राजधानी रायपुर में बारिश का असर नहीं रहा। यहां सुबह मौसम खुला था, मगर दोपहर बाद बादल छाए रहे, जो देर रात को हल्के रूप में बरसे। अगले चौबीस घंटे में राज्य अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

पेज 11 के शेष ...

घरों से तोता-मैना...

की है। गौरतलब है कि वनबल प्रमुख वी. श्रीनिवास राव ने घरों में कैद पक्षी तथा पक्षी की खरीद-बिक्री करने वालों को एक सप्ताह के भीतर छोड़ने आदेश जारी किया है। इसके लिए सभी वनमंडल के अफसरों को जिन लोगों ने अपने घरों में पक्षी पाले हैं, उनकी पहचान कर पाले गए पक्षी को रेस्क्यू कर छोड़ने के लिए कहा है। साथ ही लोग स्वयं से वन अफसरों के पास अपने घर में पाले गए पक्षी को उनके सुपुर्द करे इसके लिए संपर्क करने मोबाइल नंबर जारी करने के निर्देश दिए हैं। **नंदनवन को पुनर्वास केंद्र बनाने की मांग :** पक्षी प्रेमियों के मुताबिक नंदनवन पक्षी विहार का उपयोग बुजुर्ग तथा घायल पक्षियों के पुनर्वास केंद्र के रूप में होना चाहिए। इसके साथ ही जिन घरों से पक्षी रेस्क्यू किया जाएगा, उन पक्षियों को नंदनवन पक्षी विहार में प्रशिक्षित कर उचित रहवास केंद्र में छोड़े जाने की मांग की है। **अफसर का यह कहना है :** पक्षी प्रेमियों द्वारा नंदनवन पक्षी विहार में रह रहे पक्षियों को छोड़े जाने की मांग के सवाल पर वनबल प्रमुख तथा पीसीसीएफ श्रीनिवास राव का कहना है कि वे इस संबंध में संबंधित अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश देंगे।

साइबर थाना एक्शन...

जल्द से जल्द सुलझाने के साथ ही आरोपियों की जल्द से गिरफ्तार करने के निर्देश दिए गए हैं। अफसर के अनुसार ऑनलाइन ठगी के मामलों को सुलझाने के लिए रेंज थाना को तकनीकी रूप से अपडेट करने का काम किया जा रहा है। साथ ही ऑनलाइन फ्राड को ट्रेस करने अन्य जरूरी उपकरण जुटाए जा रहे हैं। **पांच लाख से ऊपर ठगी की जांच रेंज साइबर पुलिस करती है :** ऑनलाइन ठगी के जितने मामले दर्ज होते हैं, उनमें पांच लाख रुपए से ज्यादा की ठगी के मामलों की जांच रेंज साइबर पुलिस करेगी। इसके साथ ही पांच लाख रुपए से कम ठगी के मामलों की जांच साइबर क्राइम पुलिस करेगी। रेंज के अलग-अलग थानों में दर्ज पांच लाख रुपए से ज्यादा की ठगी के मामले रेंज साइबर पुलिस को ट्रांसफर किए जा रहे हैं।

आधा दर्जन मौत के...

के 23 एक्टिव केस है मगर इनमें राजधानी के अस्पताल में किसी भी मरीज का इलाज नहीं चल रहा है। सूत्रों का कहना है कि विभागीय स्तर पर इस संक्रामक बीमारी की रोकथाम के लिए जिला स्तर पर निर्देश जारी किया जा चुका है। स्वाइन फ्लू की जांच आसानी से हो सके इसके लिए विभिन्न मेडिकल कालेजों तथा अन्य स्थानों पर संचालित वायरोलॉजी लैब को अपडेट रखने की हिदायत दी गई है। स्वाइन फ्लू की वजह से राज्य में अब जिन 6 लोगों की मौत हुई है उनमें बिलासपुर, कोरिया और जांजगीर-चांपा जिले की तीन महिलाएं, राजनांदगांव में चार साल की बच्ची और 37 साल के युवक तथा मनेंद्रगढ़ जिले में एक व्यक्ति शामिल है।

दिसंबर तक प्रदेश में...

एक होकर रहने कि बात कहीं। श्री गोलछा ने बताया, संविधान संशोधन हेतु एक समिति बनाई गई जिसका प्रभारी धरमचंद मंसाली को बनाया गया है। सभी सदस्यों को जीएसटी नंबर आवश्यक रुप से लेने के लिए प्रेरित किया गया। कोषाध्यक्ष हर्षवर्धन जैन ने आया व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। कार्यकारिणी की बैठक में मदन अग्रवाल, राणुलाल सोनी, धरमचंद मंसाली, महेंद्र शाह, खोमीलाल सोनी, महेंद्र मंसाली, संजय कानूगा, प्रदीप घोरपड़े, रामकुमार सोनी, राजाराम जाधव, सुनील सोनी, प्रकाश सोनी आदि सदस्यों कि उपस्थित थे।

डेढ़ सौ से ज्यादा...

है और जिसकी डिमांड भी काफी अधिक रहती है। दवा कारोबार से जुड़े सूत्रों के अनुसार कम्बिनेशन वाली सर्दी, खांसी बुखार की हर महीने पचास करोड़ की दवा प्रदेश में बिक जाती है। इसी तरह दवा दुकानों के साथ कास्मेटिक शॉप में भी गोरा रंग के साथ चेहरों के दाग-धब्बे दूर करने वाली 31 तरह की क्रीम को प्रतिबंधित किया गया है। कास्मेटिक क्रीम का कारोबार भी काफी बड़ा है और यहां दस करोड़ से ज्यादा की क्रीम खप जाती है। इसका निर्माण दो दर्जन से ज्यादा स्थानीय से लेकर राष्ट्रीय स्तर की कंपनियों द्वारा किया जाता है।

हलषष्ठी पर 60 वाला...

में लोग दूध लेने पहुंचने लगे थे। ज्यादातर लोगों ने एक दिन पहले भी शाम को खरीद लिया था। तीन गुना महंगा होने के बाद भी लोगों ने पूजा के लिए भैस का दूध खरीदा। शहर डेयरी में 180 से 200 तक भैंस का दूध बिका।

हर डेयरी में हजारों...

हो गया कि उसने भैंस के बदले गाय का दूध व्रती महिलाओं को बेचा है। इसी की सजा उसे मिली है। गलती का अहसास करते हुए उसने सभी व्रती महिलाओं से जाकर माफी मांगी। इस पर सभी महिलाओं ने उसे माफ कर दिया। जब उसने दोबारा बच्चे को आकर देखा तो वह जिंदा था, इसलिए इस दिन भैंस के दूध खासकर पड़वा वाली भैंस के दूध का बड़ा महत्व रहता है।

गांवों से दूध मंगाया...

तो इस दिन खपत अधिक होती है, इसलिए आसपास के गांवों से दूध मंगाया गया था, इसलिए इसका दाम अधिक होता है।

खबर संक्षेप

एमडीएस की खाली बची 79 सीटों के लिए मॉपअप राउंड

रायपुर। दो राउंड की काउंसिलिंग पूरी होने के बाद दंत रोग विशेषज्ञ बनने एमडीएस की पढ़ाई के लिए डेंटल कालेजों में 52 सीटों पर एडमिशन पूरा हुआ है। खाली 79 सीटों पर प्रवेश के लिए मॉपअप और स्ट्रे राउंड के लिए 26 अगस्त तक संस्था चयन का वक्त दिया गया है। राज्य की एकमात्र सरकारी दंत महाविद्यालय में राज्य कोटे की 13 सीटें थी जिसमें से 11 पर प्रवेश हो चुका है और दो सीटें खाली है जिसके मॉपअप राउंड में भरने की उम्मीद है। पांच निजी कालेज में 77 सीटें रिक्त है जिन्हें दो राउंड में भी फुल होने की गुंजाइश काफी कम है। काउंसिलिंग कमेटी के सूत्रों के अनुसार पांच निजी डेंटल कालेजों में पीजी की सभी सीटों पर एडमिशन काफी कम होता है। निजी कालेजों में प्रबंधन और राज्य कोटे की 118 सीट है जिसमें से केवल 41 सीट ही भर पाई है। काउंसिलिंग कमेटी ने आगामी दिनों होने वाली मॉपअप और स्ट्रै वैकेंसी राउंड के लिए 26 अगस्त तक छात्रों को संस्था एवं विषय चयन का मौका दिया है। एमबीबीएस और बीडीएस प्रवेश के लिए पंजीयन के लिए रविवार को अंतिम दिन होगा।

नवा रायपुर में लिपिक महापंचायत 30 को

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ के आव्हान पर प्रदेश भर के लिपिक 30 अगस्त को नवा रायपुर में इंद्रावती भवन के सामने लिपिक महापंचायत करेंगे। इस बैठक में लिपिकों के पदनाम परिवर्तन और वेतन सुधार की मांग को लेकर आंदोलन की रूपरेखा तय होगी। संघ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित तिवारी, रायपुर जिला अध्यक्ष जवाहर यादव का संयुक्त रूप से कहना है लिपिक वेतनमान सुधार तक लिपिक क्रांति आंदोलन जारी रहेगा। मोदी की गारंटी 100 दिन में कर्मचारियों की समस्या हल करने का वादा अब तक अधूरा है। उसे पूरा करने आने वाले दिनों में आंदोलन का विस्तार किया जायेगा।

डिमांड नहीं फिर भी सीमेंट की कीमत बढ़ाने की तैयारी, परेशानी में कारोबारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मानसून के कारण सरकारी, निजी, रीयल एस्टेट सबके काम बंद पड़े हैं। इस बार तो सावन में पूरे माहभर बारिश भी हुई है। अब भी बारिश हो ही रही है। ऐसे में कहीं से कोई डिमांड नहीं है। इसके बाद भी सीमेंट की कीमत बढ़ाने की तैयारी चल रही है। बीते एक सप्ताह से कीमत 20 रुपए बढ़ाने की बात हो रही है, लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा है। एक बार फिर से सोमवार से कीमत में इजाफा करने की बात हो रही है। बिल्डिंग मटेरियल का कारोबार करने वालों का कहना है, कहीं से कोई डिमांड ही नहीं है, तो कीमत बढ़ा भी देंगे तो माल खरीदेगा कौन। मानसून में हमेशा से यही होता है, सीमेंट की डिमांड न होने के बाद भी कंपनी अपना कोटा पूरा करने के लिए कीमत बढ़ाने का हल्ला मचाकर अपना माल बेच लेती है। माल बिकने के बाद वापस कीमत कम कर दी जाती है। इस बार भी ऐसा ही हो रहा है। लेकिन इस बार अब तक कीमत नहीं बढ़ पाई है। इसके पीछे का कारण यह है कि इस बार बारिश बहुत ज्यादा हो रही है और प्रदेश के साथ दूसरे राज्यों में भी माल जा ही नहीं रहा है। आने वाले समय में बारिश थमने के बाद डिमांड की संभावना को देखते हुए कंपनियां कीमत बढ़ाने की तैयारी में हैं।

मानसून में सभी तरह के निर्माण कार्य पड़े हैं बंद

अभी कीमत 300 से कम

इस समय सभी सीमेंट की कीमत 300 रुपए से कम है। ब्रांडेड कंपनी का सीमेंट 275 से 280 रुपए है। इसी के साथ लोकल सीमेंट की कीमत 250 से 260 रुपए है। इसकी कीमत बीते साल चिल्हर में 370 रुपए तक चली गई थी। इस बार भी कीमत को बीते साल की तरह ही आसमान पर ले जाने की तैयारी की गई, लेकिन अभी इसमें सफलता नहीं मिल पाई है। सोमवार की रात को कहा गया था, मंगलवार से कीमत 20 रुपए बढ़ा देंगे, लेकिन डिमांड न होने से कीमत नहीं बढ़ पाई। एक बार फिर से कहा जा रहा है कि सोमवार से कीमत में इजाफा होगा। ऐसा होने से कई डीलर माल उठाकर स्टॉक कर लेते हैं और कंपनियों का माह भर का अपना कोटा पूरा हो जाता है।

सरोना स्टेशन में 50 फीसदी से अधिक काम पूरा, नंवबर में लोकार्पण की तैयारी

सरोना स्टेशन में नवंबर से बढ़ेगी यात्री सुविधा, इस गर्मी मिलेगी छांव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अमृत भारत रेलवे स्टेशन योजना के जरिए जोन के छोटे स्टेशनों की सूरत बदलने का काम तेजी से चल रहा है। रायपुर मंडल में सरोना, मंदिर हसौद, हथबंध स्टेशनों को पुनर्विकसित किया जा रहा है, जिसमें सरोना स्टेशन में कार्य 50 फीसदी से भी अधिक हो चुका है। यहां नवबंर से यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ जाएंगी। स्टेशन में चार बड़े शेड का ढांचा लगाया जा चुका है। इसके साथ प्रवेश द्वार निर्माण कार्य जारी है। मंडल के अधिकारियों ने बताया कि अमृत भारत रेलवे स्टेशन का निर्धारित समय पर पूरा करने का निर्देश दिया गया है। सरोना स्टेशन में रोजाना 800 से अधिक यात्री ट्रेन में सफर करते हैं। ऐसे में रेलवे बोर्ड सुविधाएं बढ़ाने के बाद स्टेशन में ट्रेनों का स्टॉपेज भी बढ़ सकता है, जिससे बाद यात्रियों को एक्सप्रेस ट्रेन पकड़ने के लिए मुख्य स्टेशन में जाना नहीं पड़ेगा। भिलाई पावर हाउस और तिल्दा में रुकने वाली कुछ ट्रेनों का स्टॉपेज मिल सकता है। स्टेशन लाइटिंग में सुधार, साइनेज, ट्रेन व कोच इंडिकेटर बोर्ड्स की सुविधा भी बढ़ेगी।

यात्रियों को गर्मी में मिलेगी छांव

सरोना स्टेशन में सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक यात्रियों की आवाजाही रहती है। प्लेटफार्म में शेड नहीं से बारिश में पानी और गर्मी में धूप की शिकायत रहती थी, लेकिन योजना के तहत अब स्टेशन में चार बड़े शेड लगाया गया है, जो सितंबर से अक्टूबर के बीच पूरा हो जाएगा। इसके अलावा प्लेटफार्म की लंबाई और ऊंचाई भी बढ़ाई गई है, जिससे बुजुर्गों को चढ़ने और उतरने में दिक्कत नहीं होगी। रात के समय भी स्टेशन परिसर में लाइट रहेगी।

वेटिंग हॉल के साथ सुरक्षा भी बढ़ेगी

सरोना स्टेशन में वेटिंग हॉल, पार्किंग के साथ प्लेटफार्म में आधुनिक कैमरा भी लगाया जाएगा। यह कार्य भी 50 फीसदी पूरा हो चुका है। योजना के तहत अन्य स्टेशनों में भी फुटओवर ब्रिज, लिफ्ट एस्कलेटर, सर्कुलटिंग एरिया का उन्नयन, वेटिंग हाल और टायलेट का उन्नयन, स्टेशन लाइटिंग में सुधार, साइनेज, ट्रेन एवं कोच इंडिकेटर बोर्ड, पार्किंग स्थान में वृद्धि, प्लेटफार्म एरिया का विस्तार, शेड, स्थानीय कला और संस्कृति के अनुसार स्टेशन के वाह्य स्वरूप का उन्नयन किया जाएगा।

योजना में छत्तीसगढ़ के 21 स्टेशन शामिल

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत छत्तीसगढ़ में 21 रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास व शिलान्यास किया जाना है, जिसमें सरोना, मंदिर हसौद, हथबंध, निपनिया, भाटापारा, डोंगरगढ़, कोरबा, रायगढ़, राजनांदगांव, भिलाई नगर, बिल्हा, बैकुंठपुर रोड, अंबिकापुर, उसलापुर, पेंड्रारोड, जांजगीर नैला, चांपा, बाराद्वार, दल्लीराझहरा, भानुप्रतापपुर और भिलाई स्टेशन शामिल है।

नवंबर से मिलेगी सुविधा

अमृत भारत स्टेशन के तहत स्टेशन का पुनर्विकसित करने का कार्य तेज से चल रहा है। अक्टूबर व नवंबर के मध्य सरोना और भानुप्रतापपुर स्टेशन का कार्य पूरा हो जाएगा। यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ जाएंगी।

- अवधेश कुमार त्रिवेदी
सीनियर डीसीएम

धरनास्थल पर महिलाओं ने संतान की दीर्घायु की कामना के साथ रखा उपवास

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ वन विभागीय के दैनिक वेतन भोगी महिला कर्मचारीयों ने शनिवार को तूता के धरना स्थल पर संतान के दीघार्यु होने की कामना के साथ हलषष्ठी पर्व पर उपवास रखा। विधि-विधान से इस मौके पर पूजा अर्चना की सामूहिक रूप से की गई।

नियमितीकरण और समय पर वेतन भुगतान की मांग को लेकर प्रदेश भर के दैनिक वेतनभोगी वन कर्मचारी इन दिनों अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। तूता स्थित धरना स्थल में 10 सूत्रीय मांगों को लेकर शनिवार को भी हड़ताल जारी रहा। आम आदमी पार्टी के कर्मचारी विंग के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार झा एवं अनुसूचित जाति विंग के प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जांगड़े ने तूता धरना स्थल जाकर आंदोलनकारियों की मांगों का समर्थन करते हुए दिवंगत आंदोलनकारी कर्मचारियों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। संघ के प्रदेश अध्यक्ष रामकुमार सिन्हा, शुभम जायसवाल, अमर सिंन्हा, पुरुषोत्तम साहू, प्रीतम निषाद, मिथलेश साहू, प्रेमचंद यादव, हरवंश यादव, भोलाराम यादव, आदि के नेतृत्व में जारी आंदोलन के दौरान आंदोलनकारी महिला कर्मचारियों ने हलषष्ठी व्रत रखा।

आईआईएम में लीडरशिप समिट 'बिल्डिंग बिजनेस ओनर्स'

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतीय प्रबंध संस्थान यानी आईआईएम रायपुर द्वारा दो दिवसीय 24 से 25 अगस्त तक अपने परिसर के मड़ई ऑडिटोरियम में 8वां लीडरशिप समिट आयोजित किया। 'बिल्डिंग बिजनेस ओनर्स' थीम पर आधारित इस दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न उद्योगों के प्रमुख कॉर्पोरेट नेता और विशेषज्ञ एकत्र हुए। उन्होंने बदलते व्यावसायिक परिदृश्य में नेतृत्व पर चर्चा की, जिसमें टिकाऊ और समावेशी प्रक्रियाओं पर विशेष जोर दिया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रूपेश संघवी, संस्थापक और सीईओ, एगोंड और विशिष्ट अतिथि कमोलिका गुप्ता पेरेस, पूर्व में सर्विस नाउ की वक्तृत्व से शोभायमान हुआ। मुख्य अतिथि श्री संघवी ने इस प्रतिष्ठित सम्मेलन के लिए आभार व्यक्त किया और उद्यमशील मानसिकता, सक्रिय नेतृत्व, स्व-अध्ययन की शक्ति और आधुनिक व्यवसाय में एआई के महत्व पर जोर दिया।

कर्मचारियों के कॅरियर विकास के लिए भी लाभदायक

आईआईएम के निदेशक प्रो. रामकुमार काकानी ने संगठनात्मक मूल्य और कर्मचारियों के विकास में नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "नेतृत्व प्रभावी प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जो संगठन के संसाधनों का उपयोग करके उसके लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है। प्रभावशाली नेता कर्मचारियों को प्रेरित करते हैं और मार्गदर्शन देते हैं, जो उनके कॅरियर विकास के लिए भी लाभदायक है।" विशिष्ट अतिथि कमोलिका गुप्ता, ग्रुप वाइस प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर (पूर्व) सर्विस नाउ ने सामने आने वाले अवसरों को अपनाने और अनजाने रास्तों पर चलने पर चर्चा की।

बिजनेस साइट

राघव छत्तीसगढ़ इकाई के अध्यक्ष निर्वाचित

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के सेवानिवृत कर्मचारियों के सम्मेलन में पीके राघव को छत्तीसगढ़ इकाई का अध्यक्ष चुना गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर श्री राघव ने अपने साथियों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उन पर विश्वास जताते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी। सम्मेलन में राष्ट्रीय पदाधिकारियों वी. रेड्डी, महासचिव सगुण शुक्ला, अध्यक्ष गणपति हेगड़े, महासचिव महेंद्र सिंह और शिवकरण ने सेवानिवृत कर्मचारियों को पेंशन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। सम्मेलन के दौरान छत्तीसगढ़ इकाई का गठन भी किया गया, जिसमें पीके राघव को अध्यक्ष, अरुण मिश्रा को महासचिव और आरएस ठाकुर को कोषाध्यक्ष चुना गया।

आईएसबीएम विवि और वाईस एसएनडीटी के बीच एमओयू

रायपुर। आईएसबीएम विश्वविद्यालय ने उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और स्टार्टअप गतिविधियों में नई ऊर्जा लाने के उद्देश्य से मुंबई के प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थान वाईस एसएनडीटी इन्क्यूबेशन सेंटर के साथ एक महत्वपूर्ण एमओयू हस्ताक्षरित किया है। इस एमओयू पर वाईस एसएनडीटी इन्क्यूबेशन सेंटर की सीईओ डॉ. लक्ष्मी गोरितियाल और आईएसबीएम विश्वविद्यालय के डायरेक्टर जनरल डॉ. जयेंद्र नारंग ने हस्ताक्षर किए। एमओयू के तहत वाईस एसएनडीटी इन्क्यूबेशन सेंटर आईएसबीएम विश्वविद्यालय के एक्सटेंशन सेंटर के रूप में कार्य करेगा। इसका प्रमुख उद्देश्य विश्वविद्यालय स्तर पर उद्यमशीलता की संस्कृति का निर्माण, छात्रों के बीच उद्यमशीलता को बढ़ावा देना और ऐसे विद्यार्थियों की पहचान करना है, जिन्हें उद्यमी के रूप में विकसित किया जा सके।

बिजनेसगढ़ एंटरप्रेन्योर्स मीट 2.0, युवा उद्यमियों को मिली प्रेरणा

रायपुर। पं. दीनदयाल ऑडिटोरियम में शनिवार को बिजनेसगढ़ एंटरप्रेन्योर्स मीट 2.0 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के युवा उद्यमियों को प्रेरित करना और उन्हें नए अवसर प्रदान करना था। कार्यक्रम में ओयो के फाउंडर रितेश अग्रवाल ने अपनी सफलता की यात्रा साझा की और युवा उद्यमियों को बिजनेस के बारे में गहरी जानकारी रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए पूरी जानकारी और मेहनत की आवश्यकता है। रितेश ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि उन्हें हर अवसर का पूरा लाभ उठाना चाहिए और निरंतर सीखते रहना चाहिए। इवेंट में हर्षवर्धन अग्रवाल, डोमेंद्र सिंह गंजीर, आकाश अग्रवाल, सुनील चंद्र साहू, सोलन बहिलानी, साहनी ब्रदर्स और लक्षित ने भी अपने विचार साझा किए और उपस्थित लोगों को प्रेरित किया। इस तरह के कार्यक्रम युवा उद्यमियों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण साबित होते हैं।

सुराना भवन में रेडीमेड कपड़ों पर 90% डिस्काउंट

रायपुर। सुभाष स्टेडियम के पास नलघर चौक स्थित सुराना भवन में रेडीमेड गारमेंट सेल लगाई गई है। इस सेल में लेडिस, जेंट्स और किड्स के कपड़ों पर डायरेक्ट 90% डिस्काउंट दिया जा रहा है। सेल में जींस, पैंट, शर्ट, टी-शर्ट, वेस्टर्न टॉप, लॉन्ग कुर्ता, वेस्टर्न कुर्ती और युवतियों के लिए फैंसी कपड़े उपलब्ध हैं। बड़े ब्रांड्स के लेडिस गारमेंट्स, जिनका मार्केट रेट 1200 से 6000 रुपए तक है, अब 350 से 550 रुपए में उपलब्ध है। इसी तरह जेंट्स गारमेंट्स की हजारों वैरायटीज, जिनका मार्केट रेट्स 800 से 3500 रुपए तक है, अब 250 से 550 रुपए में मिल रहा है। सेल के संचालक ने बताया कि जेन्ट्स गोल गला टी-शर्ट 300 रुपए में 2 पीस, जेन्ट्स कैजुअल शर्ट 300 रुपए में 2 पीस और जेन्ट्स जीन्स व ट्राउजर्स मात्र 100 रुपए में मिल रहे हैं। लेडिस वेस्टर्न टॉप और कुर्ती 100 रुपए में और फैंसी साड़ियां 300 रुपए में 2 पीस उपलब्ध हैं।

ड्यूटी पर रहते सरकारी फार्मासिस्टों ने कर ली बी-फार्म प्रैक्टिस की पढ़ाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सरकारी सेवा में रहते हुए फार्मासिस्टों ने बी-फार्म प्रैक्टिस कोर्स की पढ़ाई पूरी कर ली। नियम के मुताबिक इस पढ़ाई के लिए नियमित क्लास और प्रैक्टिस की कक्षाएं अटैंड करनी होती है मगर इसकी ऑनलाइन व्यवस्था बताकर इसकी पढ़ाई पूरी कर ली। शिकायत के बाद स्वामी विवेकानंद तकनीकी विवि के कुलपति द्वारा गठित कमेटी मामले की जांच कर रही है।

- नियमित कोर्स को ऑनलाइन बताकर पास पूरा कर लिया कोर्स

सूत्रों के अनुसार यह दो वर्षीय कोर्स है जिसमें प्रत्येक वर्ष कम से कम 180 दिनों की कक्षाएं होगी।

जांच जारी

मामले की शिकायत के आधार पर प्रकरण की जांच की जारी है। प्रकरण में अगर किसी तरह की लापरवाही पाई जाती है तो दोषियों के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

एमके वर्मा, कुलपति स्वामी विवेकानंद तकनीकी विवि

आठ और कालेज ने दिया आवेदन

मामले के शिकायत कुछ समय पहले की गई थी जिस पर जांच का आश्वासन दिया था। इस वर्ष आठ और कालेजों ने इस कोर्स का संचालन करने के लिए आवेदन दिया है। शासकीय फार्मासिस्ट को कोर्स करने की अनुमति तब दी जाए जब इसका पदोन्नति अथवा प्रतिनियुक्ति में कोई लाभ मिले।

- फार्मासिस्ट राहुल वर्मा
सचिव आईपीए

हरिभूमि

रायपुर, रविवार 25 अगस्त 2024

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

विश्व की प्राचीनतम नाट्यशाला सीताबेंगरा के इतिहास एवं कालिदास की मेघदूत रचना पर आधारित नाटक आदिगाथा का मंचन किया गया। शनिवार को संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित रंग परब नाट्य श्रृंखला के अंतिम दिन मेघदूत पर आधारित नाटक का मंचन किया गया। इस अवसर पर ऋषिका शर्मा, अभिलाष, कुणाल तांडी, किशौर वैभव, चंचल ध्रुव, प्रभात साहू, तुषार जोशी द्वारा मुख्य किरदार निभाया गया।

नृत्यांगना के प्रेम में राजा बना अहंकारी, दान किया राज्य, योगी ने बताया जीवन का उद्देश्य

कालिदास की मेघदूत रचना पर आधारित नाटक आदिगाथा का मंचन

रायपुर। पहिली मैं सुमिरौं गणेश ल, जेला सब्बो झन जानथे...भरथरी गायन से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। प्रांजल सिंह राजपूत द्वारा भरथरी गायन की एकल प्रस्तुति दी गई। गायन के दौरान राजा भरथरी की जीवनगाथा को दर्शाया गया, जिसमें राजा भरथरी के जन्म व उनके 12 वर्ष की उम्र में योगी बन जाने की कथा को भरथरी गायन के माध्यम से लोगों की समझ प्रस्तुत की गई। राजा भरथरी की मां द्वारा शिव भक्ति कर भगवान से राजा के योगी बनने की बात को असत्य करने की बात कही गई।

नाटक की शुरुआती पंक्तियां

श्रीकृष्ण गीता में कह रहे, मैं वेदो में साम हूं। यजुर्वेद नहीं, जहां क्रिया और यज्ञ के उपदेश हैं। ऋगवेद नहीं, जहां मंत्रों का ज्ञान है, अथर्व नहीं, जहां विज्ञान है...भरत मुनि व देवदमन की चर्चा से नाटक की शुरुआत होती है, जिसमें भरत मुनि की बात सुन देवदमन कहते हैं, तुम अपनी स्थापना में स्थिर नहीं रहोगे और सदैव भटकते रहोगे।

नाटक में कला और शिव भक्ति को दर्शाया

नाट्य में कलाकार रूपदक्ष के जीवन को भी दर्शाया गया, जिसे कला की उन्नति के लिए राज्य का आश्रय चाहिए होता है। नाटक का मुख्य किरदार देवदासी सुतनुका द्वारा निभाया गया, जो अपने जीवन में महाकाल की भक्ति करती नजर आईं। नाटक में देवदासी भगवान महाकाल की भक्ति करती रही, जिसे एक वक्त के बाद योगी से प्रेम हो जाता है। देवदासी एक प्रसिद्ध नर्तकी होती है। मेघदूत रचना में राजा राजेश्वर कलाप्रेमी थे, जिनके द्वारा कलाकारों का सम्मान करना उनकी परंपरा थी, लेकिन राजा के राज्य में एक युवक योगी का प्रवेश हो जाता है। राज्य में योगी के आने से राजा अपने पद का अहंकार दिखाते हुए, अनजाने में उसे अपना राज्य ही दान स्वरूप दे देता है, जिसके पश्चात योगी राजा से सौ गोदान की बात कहता है, लेकिन राजा अंहकार में योगी से हजार गोदान का संकल्प करता है। नाटक के अंत में राजा को असहाय दर्शाया गया, जिसमें वह अपना राज्य, धन व संपूर्ण प्रजा खो देता है, जिसके पश्चात योगी द्वारा राजा को जीवन के मुख्य उद्देश्य की शिक्षा देते बताया गया।

नाटक में संसार को रंगमंच की उपाधि

नाटक आदिगाथा का आधार कालिदास के मेघदूत में प्रदर्शित एक विरह है, जिसकी रचना रायगढ़ की पहाड़ी में की गई। नाटक कथा का मुख्य उद्देश्य नाट्यकला के उस आध्यात्मिक सिद्धांत को प्रतिपादित करता है। नाटक में संसार को एक रंगमंच कहा गया, जिसका पात्र संसार का प्रत्येक व्यक्ति है। कहानी में एक राजा राजराजेश्वर के मुख्य किरदार को दर्शाया गया है, जिसे अनंतकीर्ति की कामना होती है, लेकिन राजा को एक सुंदरी से प्रेम की भी इच्छा होती है, जिसे नाटक में दर्शाया गया।

सिटी इवेंट

नई शिक्षा नीति में देश के भाषा को महत्व, सूरज और राहुल को अवार्ड

रायपुर। दिशा कॉलेज एवं विप्र कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में 'नई शिक्षा नीति-2020' पर नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। दो दिवसीय कांफ्रेंस का समापन शनिवार को हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बस्तर यूनिवर्सिटी से पूर्व कुलपति प्रो. एसके सिंग एवं झारखंड आईसेक्ट यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. प्रमोद कुमार नायक उपस्थित रहे। आयोजन में विप्र कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मेधेश तिवारी, डॉ. प्रफुल्ल व्यास, डॉ. सौम्या तिवारी, डॉ. रिया तिवारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। दो दिवसीय नेशनल कांफ्रेंस में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन पेपर प्रस्तुतिकरण में बेस्ट पेपर का अवार्ड से विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इसमें पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय से सूरज कुमार को रिसर्च स्कॉलर एवं मैट्स यूनिवर्सिटी से राहुल कुमार पासवान को बेस्ट पेपर के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

दो दिवसीय नेशनल कांफ्रेंस का समापन

प्रो. एसके सिंग ने अपने उद्बोधन में कहा, नई शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत हमारे देश की भाषा को भी महत्व दिया गया है, जिसकी सहायता से विद्यार्थियों को आने वाले भविष्य में मदद मिलेगी। नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों की पढ़ाई को विभिन्न खंडों में विभाजित किया गया है, जिससे उनके कौशल विकास में सहायता मिलेगी। डॉ. एके तिवारी ने कहा, विद्यार्थी जीवन सबसे खास होता है। इस दौरान सही विषयों का चयन कर आप अपना उज्ज्वल भविष्य तय कर सकते हैं। नई शिक्षा नीति में छात्र अधिक से अधिक ऑनलाइन कोर्स में ज्वाइन हो सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय से असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पार्थोलॉट ओंकार भी उपस्थित रहे।

लाइव इवेंट

राधा-कृष्ण और बालसखा के वेश में बच्चों ने सेलिब्रेट की जन्माष्टमी

रायपुर। हर साल की तरह सीपीएस किड्स अकादमी में जन्माष्टमी उत्सव मनाया गया। इसमें बच्चे और टीचर्स श्रीकृष्ण-राधा, सुदामा और गोपियों की वेशभूषा में नजर आए। जन्माष्टमी के अवसर पर एकेडमी में मटकीफोड़ और सांस्कृतिक आयोजन भी शनिवार को किया गया। इसमें सभी बच्चों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। देश की संस्कृति से बच्चों को जोड़ने के लिए हर साल की तरह पहल की गई। इसमें ग्रुप की चेयरपर्सन ज्योति अग्रवाल ने बच्चों को प्रोत्साहित किया। जन्माष्टमी उत्सव के लिए सुबह से ही बच्चे उत्सुक नजर आए। संकुल की एचएम ओशिन खान ने सीपीएस ग्रुप की गुढ़ियारी ब्रांच में बच्चों के व्यक्तित्व विकास और हमेशा एक्टिव रखने के लिए शिक्षकों को प्रेरित किया।

घर से तैयार होकर पहुंचे बच्चे

स्कूल के शिक्षकों ने बच्चों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की महत्ता व उससे जुड़ी जानकारी देते हुए उत्सव में शिरकत करने का अवसर दिया। पहले से दी गई जानकारी के चलते पालकों ने भी बच्चों को श्रीकृष्ण-राधा, सुदामा और ग्वालों की तरह तैयार करके स्कूल भेजा था। शिक्षकों ने उत्सव में शामिल होने वाले बच्चों को किस तरह से खुद को प्रस्तुत करना है, इसका प्रशिक्षण देकर तैयार करने की जिम्मेदारी निभाई। शिक्षकों ने उत्सव को खास बनाने के लिए बच्चों को मानसिक रुप से तैयार करने में सहयोग दिया। इस तरह की श्रृंखला शनिवार को एमएम जूनियर स्कूल चौबे कॉलोनी में भी सजाई गई। इसमें बच्चे श्रीकृष्ण-राधा, सुदामा, मीरा, बलराम, यशोदा मैया व नंदबाबा के वेश में पहुंचे।

कीटनाशकों के उपयोग से घट रही तितलियां, छात्रों ने दुर्लभ प्रजाति की पहचान कर नजदीक से देखा जीवों का जीवन

नंदनवन जंगल सफारी में तितलियों पर 'वॉक एंड टॉक' कार्यक्रम

रायपुर। नवा रायपुर स्थित नंदनवन जंगल सफारी में तितलियों पर केंद्रित 'वॉक एंड टॉक' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें रायपुर, कुरुद और बिलासपुर के विभिन्न कॉलेजों से लगभग 80 छात्रों और प्रकृति प्रेमियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत कंजर्वेशन सोसाइटी के अध्यक्ष एचएन टंडन द्वारा तितलियों की पारिस्थितिकी में महत्वपूर्ण भूमिका और उनके संरक्षण की आवश्यकता पर जोर देकर की गई। इसके बाद शासकीय साइंस कॉलेज रायपुर के जूलॉजी विभाग की प्रोफेसर डॉ. कविता दास ने अत्यधिक कीटनाशकों के उपयोग से तितलियों की घटती संख्या पर चिंता व्यक्त की और छात्रों को इस दिशा में संवेदनशीलता विकसित करने का आव्हान किया।

छात्रों ने जाना तितलियों का जीवनचक्र

इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों को दो समूहों में विभाजित कर 3 किलोमीटर के ट्रेल पर वॉक कराई गई, जहां उन्होंने कॉमन क्रो, एमिग्रेंट, ग्रेट एगफ्लाई और सेलर जैसी तितलियों की विभिन्न प्रजातियों की पहचान की। वॉक के अंत में, सभी छात्र जू कैंपस में स्थित बटरफ्लाई गार्डन पहुंचे, जहां उन्हें होस्ट प्लांट्स के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। छात्रों को बताया गया कि तितलियों के जीवनचक्र में इन पौधों की क्या भूमिका होती है और कौन से पौधे तितलियों के जीवित रहने में अहम भूमिका निभाते हैं। नंदनवन जंगल सफारी के निदेशक आईएफएस धम्मशील गणवीर ने कहा कि जंगल सफारी को एक शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां छात्र वन्यजीवों पर शोध कर अपने ज्ञान को समृद्ध कर सकते हैं। कार्यक्रम में चित्रमणि श्रीमाली, सहायक प्राध्यापक, प्राणीशास्त्र विभाग, संत गुरु घासीदास सरकारी पीजी कॉलेज कुरुद और डॉ. गुलाब चंद, सहायक प्राध्यापक, वनस्पति विज्ञान विभाग, दंतेश्वरी सरकारी कन्या महाविद्यालय जगदलपुर उपस्थित रहे।

जीवन में आगे बढ़ने अच्छी शिक्षा के साथ व्यवहार होना चाहिए मधुर

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई व रायपुर पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में जिंदगी ना मिलेगी दोबारा की कार्यशाला दानी गर्ल्स स्कूल रायपुर में आयोजित की गई। सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने बताया, तीन विषयों पर कार्यशाला रखी गई, जिसमें नशामुक्ति, ट्रैफिक नियम, हेल्थ एंड हाईजीन पर विस्तार से जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि बीजेपी प्रदेश महामंत्री रामू रोहरा ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के युग में लड़कियां सभी फील्ड में अव्वल हैं। ट्रैफिक एक्सपर्ट सुनील धुप्पड़ ने कहा, सभी अपनी कार में सीट बेल्ट जरूर लगाएं और गाड़ी 60 किमी

प्रतिघंटे की स्पीड से ऊपर न चलाएं। एक्सपर्ट अलक्षेंद्र मोगरे ने कहा, जीवन में अगर आपको आगे जाना है तो सिर्फ अच्छी शिक्षा के साथ अच्छा व्यवहार रखना चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट नीलिमा आहूजा ने कहा कि बच्चे बारिश में बाहरी खानपान से दूर रहें और जंक फूड का सेवन कम से कम करें। आयोजन में बीजेपी प्रदेश महामंत्री रामू रोहरा, सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ, नितिन कृष्णानी, अलक्षेंद्र मोगरे, सुनील धुप्पड़, नीलिमा आहूजा, अनिल जोतसिंघानी ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

कैंपस इवेंट

जीवंत युवा उत्सव में 12 शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों ने दिखाया हुनर

रायपुर। श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी व यंग इंडियंस के संयुक्त तत्वावधान में 'जीवंत युवा उत्सव-3.0' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजधानी के 12 शैक्षणिक संस्थानों के लगभग 130 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में एकल नृत्य, लोकनृत्य एवं कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। एकल नृत्य स्पर्धा में 25 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिसमें श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय की सत्यप्रभा साहू ने प्रथम व आईटीएम विश्वविद्यालय की जे. लावण्या ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं कैरम प्रतियोगिता में 75 से अधिक प्रतिभागियों ने पांच राउंड में एक-दूसरे से मुकाबला किया, जिसमें एसआरयू से विद्यार्थी जतिन जेठुआ ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

गीत-संगीत ने बांधा समां

आयोजन में मुख्य आकर्षण का केंद्र श्यामा अग्रवाल द्वारा लाइव संगीत कार्यक्रम रहा। लगभग एक घंटे की प्रस्तुति में गायक ने फिल्मी व पुराने सदाबहार गीतों से समां बांधा। इस अवसर पर लगभग 10 से अधिक गाने पेश किए तो मौजूद दर्शक भी साथ-साथ गुनगुनाते नजर आए। एक दिवसीय आयोजन में काफी भीड़ देखने को मिली। नृत्य प्रतियोगिता में मुख्य निर्णायक प्रो. एसके सिंह एवं रजिस्ट्रार डॉ. सौरभ कुमार शर्मा रहे। साथ ही कविता पसारी, स्वप्निल अग्रवाल, डॉ. राजश्री नामदेव, दीपिन मेहता मुख्य रूप से शामिल रहे।

कांस के फूलों से माताओं ने सजाई सगरी, समूह में मनाया हलषष्ठी पर्व

हलषष्ठी पूजा में उमड़ी श्रद्धा, संतान को बुरी बला से बचाने दी पीठ पर थाप

कार्नर न्यूज

रायपुर। शहर के मंदिरों ही नहीं, कॉलोनियों और बस्तियों में भी भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलरामजी का जन्मोत्सव और हलषष्ठी पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। संतान की रक्षा की कामना करते हुए माताओं ने हलषष्ठी माता की पूजा की। इसमें बिना हल जोते उगने वाले पसहर चावल और छह प्रकार की भाजी का भोग लगाते हुए सगरी सजाई। वापस घर लौटने के बाद पके हुए चावल का प्रसाद फलाहार के रूप में ग्रहण करते हुए व्रतधारी माताओं ने पारणा किया।' पूजन का यह नजारा पुरानी बस्ती, प्रोफेसर कॉलोनी, टिकरापारा आरडीए के पास, कैलाशपुरी, कोतवाली पुलिस कॉलोनी और रायपुरा में भी देखने को मिला।

उपासकों ने ऐसे की पूजा

सुबह माताओं ने खम्हार पेड़ की लकड़ी से दातून करने की रस्म निभाई। स्नान से निवृत्त होकर पूजा घर में हलषष्ठी देवी की स्थापना की। दिनभर व्रत रखने का संकल्प लिया। पूजा करने के लिए भैंस का दूध उपयोग में लाया। पसहर चावल, छह प्रकार की भाजियों में मिर्च मिलाकर पानी में उबाला और विधिवत पूजा की। प्रसाद को कुत्ते, पक्षी, बिल्ली, गाय, भैंस, चींटियों के लिए पत्तों में दही के साथ परोसकर दिया और इसके बाद फलाहार किया।

आंगन में ही बनाई सगरी, गाड़ा हरछठ

जो व्रतधारी महिलाएं किसी सार्वजनिक पूजा उत्सव में शामिल नहीं हुईं, ऐसी उपासकों ने पूजन के लिए अपने घर के आंगन में गड्ढा (सगरी) खोदा और तालाब का रूप देकर चारों तरफ मिट्टी से मेड़ बनाकर जल भरा। उसमें हरछठ गाड़कर मंडप बनाया। हलषष्ठी देवी की पूजा करके बेलपत्र, भैंस का दूध, दही, घी, कांशी के फूल, लाई, महुए का फूल आदि अर्पित किए। इसके बाद कथा सुनकर पसहर चावल का फलाहार ग्रहण करके पारणा किया।

पीली मिट्टी बांधकर लगाई थाप

मनपुरी, देवेंद्र नगर, चौबे कॉलोनी में भी व्रतधारी माताओं ने नए कपड़े पर पीली मिट्टी को बांधा और उससे अपने बच्चों की पीठ पर हल्की-सी थाप लगाई। ऐसी मान्यता है कि पूजा के बाद थाप लगाने से हलषष्ठी माता बच्चों को बुरी नजर से बचाती हैं और उनके जीवन को सुख-समृद्धि देती हैं। इस कामना से ही माताएं हर साल हलषष्ठी माता का व्रत नियम करने के बाद शास्त्रों का विधान करती हैं।

नाक, कान और गला रोग: समस्या, पहचान, और समाधान?

नाक, कान और गला (ईएनटी) से संबंधित रोग हर आयु वर्ग के लोगों को प्रभावित करते हैं। चाहे वह सर्दी-जुकाम हो, कान में दर्द हो, या गले में खराश हो, ये समस्याएं अक्सर असुविधाजनक होती हैं और हमारे दैनिक जीवन को प्रभावित कर सकती हैं। इन रोगों की पहचान और उनका उचित इलाज बेहद महत्वपूर्ण है ताकि वे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं में न बदलें। इस लेख में, हम नाक, कान और गले से संबंधित सामान्य रोगों, उनके लक्षणों, और उनके संभावित उपचारों के बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे।

नाक से संबंधित रोग

नाक से संबंधित रोग सामान्यतः सर्दी-जुकाम, साइनसाइटिस, एलर्जी, और नाक से खून बहने (नकसीर) के रूप में देखे जाते हैं।

1. साइनसाइटिस : साइनसाइटिस नाक की अंदरूनी परतों में सूजन को दर्शाता है, जो कि बैक्टीरियल, वायरल या फंगल संक्रमण के कारण हो सकता है। इसके लक्षणों में नाक बंद होना, चेहरे में दर्द, सिरदर्द, और सांस लेने में कठिनाई शामिल हैं। इस समस्या के कारण व्यक्ति को थकान महसूस होती है और उसकी सूंघने की क्षमता कम हो जाती है।

2. एलर्जी राइनाइटिस : यह समस्या तब होती है जब नाक की अंदरूनी परत पर एलर्जेंस (जैसे धूल, परागकण, धुएं आदि) का हमला होता है। इसके लक्षणों में नाक में खुजली, छींक आना, और नाक बंद होना शामिल हैं। यह समस्या अधिकतर वसंत और शरद ऋतु के मौसम में बढ़ जाती है।

3. नकसीर (Epistaxis) : नाक से खून बहना एक सामान्य समस्या है, जो अक्सर नाक की अंदरूनी परत के सूखने, चोट लगने, या उच्च रक्तचाप के कारण होती है। यह समस्या आमतौर पर अधिक गंभीर नहीं होती, लेकिन बार-बार होने पर डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

उपाय

नाक की समस्याओं के लिए कुछ सामान्य घरेलू उपचार प्रभावी हो सकते हैं। भाप लेना, सलाइन स्प्रे का उपयोग करना, और ह्यूमिडिफायर का उपयोग करने से राहत मिल सकती है। एलर्जी राइनाइटिस के लिए, एंटीहिस्टामिन का सेवन और एलर्जेंस से बचाव जरूरी है। नकसीर के मामले में, नाक को दबाकर बैठने की सलाह दी जाती है, ताकि खून बहना रुक सके। अगर समस्या गंभीर हो, तो डॉक्टर द्वारा एंटीबायोटिक्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी दवाओं, या अन्य उपचार का सहारा लेना चाहिए।

कान से संबंधित रोग

कान से संबंधित रोग भी आमतौर पर विभिन्न उम्र के लोगों को प्रभावित करते हैं। इनमें कान का संक्रमण, टिनिटस (कान में घंटी बजना), सुनने की कमी, और कान बहना शामिल हैं।

1. ओटिटिस (कान का संक्रमण) : यह बच्चों में अधिक सामान्य है, लेकिन वयस्कों में भी हो सकता है। ओटिटिस को बाहरी (ओटिटिस एक्सटर्ना), मध्य (ओटिटिस मीडिया), और भीतरी (ओटिटिस इंटर्ना) भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है। इसके लक्षणों में कान में दर्द, सुनने में कमी, और कभी-कभी बुखार शामिल हैं।

2. टिनिटस : टिनिटस एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति को कानों में लगातार घंटी बजने या शोर सुनाई देता है। यह समस्या उम्र बढ़ने के साथ, कान की चोट, या अत्यधिक शोर के संपर्क में आने के कारण हो सकती है।

3. सुनने में कमी : सुनने में कमी उम्र बढ़ने, कान में संक्रमण, या किसी चोट के कारण हो सकती है। यह समस्या बहुत ही चिंताजनक हो सकती है, क्योंकि इससे व्यक्ति की सामाजिक और पेशेवर जीवन पर असर पड़ सकता है।

उपाय

कान की समस्याओं के लिए कान की उचित सफाई, कान में पानी न जाने देना, और शोरगुल से बचना आवश्यक है। ओटिटिस के मामले में, डॉक्टर द्वारा एंटीबायोटिक्स या एंटी-इंफ्लेमेटरी दवाओं का सेवन करना चाहिए। टिनिटस और सुनने में कमी के लिए, हियरिंग एड्स, कान के लिए थेरेपी, और विशेषज्ञ से परामर्श करना लाभदायक हो सकता है।

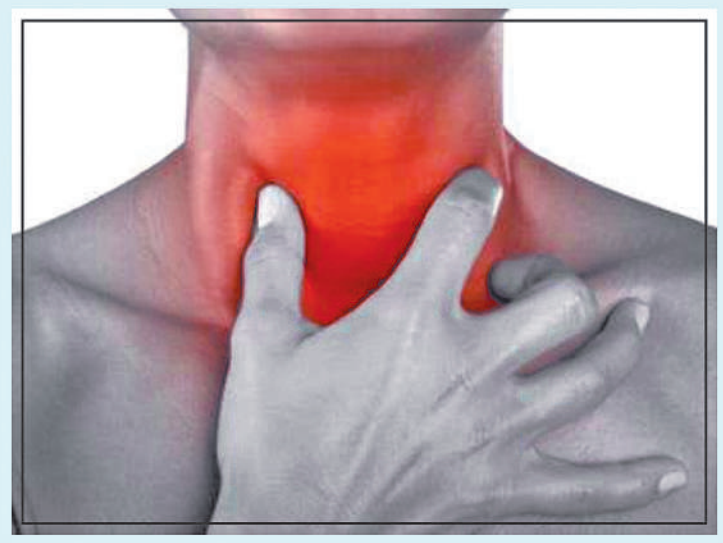

गले से संबंधित रोग

गले से संबंधित समस्याएं, जैसे गले में खराश, टॉन्सिलाइटिस, और गला बैठना (लैरिन्जाइटिस), बहुत सामान्य हैं। इन समस्याओं का मुख्य कारण वायरस या बैक्टीरिया होता है, लेकिन धूम्रपान, एलर्जी, और प्रदूषण भी इन समस्याओं को बढ़ा सकते हैं।

1. गले में खराश : गले में खराश आमतौर पर सर्दी-जुकाम, फ्लू, या एलर्जी के कारण होती है। इसके लक्षणों में गले में जलन, दर्द, और निगलने में कठिनाई शामिल हैं। यह समस्या अधिकतर वायरल संक्रमण के कारण होती है, लेकिन कभी-कभी बैक्टीरियल संक्रमण भी इसका कारण हो सकता है।

2. टॉन्सिलाइटिस : टॉन्सिल्स की सूजन को टॉन्सिलाइटिस कहते हैं। इसके लक्षणों में गले में दर्द, बुखार, और निगलने में कठिनाई शामिल हैं। यह समस्या अधिकतर बच्चों में पाई जाती है, लेकिन वयस्कों में भी हो सकती है।

3. लैरिन्जाइटिस (गला बैठना) : यह स्थिति तब होती है जब आवाज पैदा करने वाली लैरिंक्स में सूजन आ जाती है। इसके कारण गला बैठ जाता है और व्यक्ति की आवाज कर्कश हो जाती है। यह समस्या अत्यधिक धूम्रपान, शोरगुल वाले वातावरण में काम करने, या वायरल संक्रमण के कारण हो सकती है।

उपाय

गले की समस्याओं के लिए गर्म पानी के गरारे, शहद और अदरक का सेवन, और तरल पदार्थों का सेवन करना लाभकारी हो सकता है।

VY HOSPITAL
We care for your Health
॥ मंगल भवन, अमंगलहारी ॥
Pre Accredited by NABH
समर्पण, संवेदनशीलता और सद्भावना के साथ सुपरस्पेशलिटी केयर
अत्याधुनिक लेज़र पद्धति एवं मिनिमल इनवेसिव सर्जरी सुविधा
अत्याधुनिक मशीनों से कैंसर के उपचार सुविधा
किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा उपलब्ध
वीवाय साईंरिसा कैंसर केयर सेंटर
रेडिएशन थेरेपी, कैंसर सर्जरी, कीमोथेरेपी, इम्यूनोथेरैपी, टारगेट थेरेपी, हार्मोनल थेरेपी पैलिएटिव केयर, न्यूट्रिशनल थेरेपी
आयुष्मान भारत, बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना (उड़ीसा) एवं सभी इंश्योरेंस कंपनियों द्वारा केशलेस सुविधा
AdPRAYAS
सुपरस्पेशलिटी सर्विसेस
• जनरल एवं लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी विभाग • हड्डी रोग विभाग • गैस्ट्रो एण्ड गैस्ट्रो सर्जरी • कैंसर रोग विभाग • मेडिसिन विभाग
• मस्तिष्क एवं सर्जरी विभाग • छाती रोग विभाग • गुर्दा एवं मूत्र रोग • नाक, कान व गला रोग विभाग • हृदय रोग विभाग
• इन्टरवेशनल रेडियोलॉजी विभाग • पेन (दर्द) प्रबंधन विभाग • बर्न व प्लास्टिक सर्जरी विभाग • दंत एवं नेत्र रोग विभाग • स्त्री रोग विभाग
• चर्म रोग विभाग
वी वाय हॉस्पिटल, रायपुर
छत्तीसगढ़ का विश्वसनीय सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल
कमल विहार, रायपुर (छ.ग.)
0771-4622222, 7225024301, 7225024302
हेल्पडेस्क: 0771-4622200, टोल फ्री: 1800-123-4775
www.vyhospital.in info@vyhospital.in
vyhraipur vyhospitalrpr @vyhraipur

फेफड़ों के कैंसर के इलाज में कीमोथेरेपी की भूमिका

संजीवनी कैंसर हॉस्पिटल रायपुर के क्लिनिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. अनिकेत ठोके व मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. राकेश मिश्रा बताते हैं कि फेफड़े का कैंसर सबसे आम और घातक प्रकार के कैंसर में से एक है, और कीमोथेरेपी कई मरीजों के इलाज का मुख्य आधार है। कीमोथेरेपी एक उपचार है जो कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए दवाओं का उपयोग करता है। यह तेजी से विभाजित होने वाली कोशिकाओं को टारगेट करके काम करता है, जो कैंसर कोशिकाओं की पहचान है। कीमोथेरेपी दवाएं विभिन्न तरीकों से दी जा सकती हैं, जिसमें मुंह, इंजेक्शन या इन्फ्यूजन शामिल हैं। फेफड़ों के कैंसर में, सर्जरी, रेडिएशन थेरेपी, या इम्यूनोथेरेपी के कॉम्बिनेशन में कीमोथेरेपी का उपयोग किया जा सकता है।

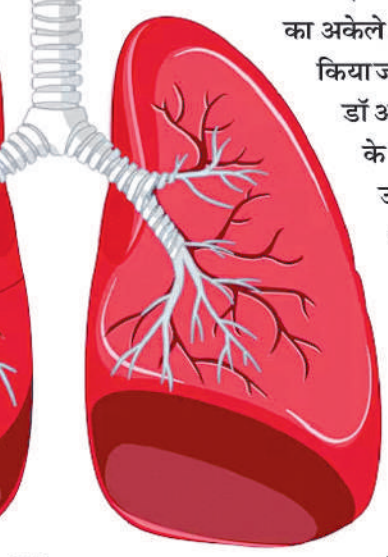

कीमोथेरेपी का उपयोग अक्सर नॉन-स्मॉल सेल फेफड़ों के कैंसर के उपचार में किया जाता है, जो फेफड़ों के कैंसर के सभी मामलों का लगभग 85% होता है। इसका उपयोग फर्स्ट लाइन उपचार के रूप में किया जा सकता है, जिसका अर्थ है कि यह प्रारंभिक उपचार दिया गया है, या सेकंड लाइन ट्रीटमेंट के रूप में, जिसका अर्थ है कि यह किसी अन्य उपचार के विफल होने के बाद दिया गया है। कीमोथेरेपी का उपयोग अन्य उपचारों के कॉम्बिनेशन में भी किया जा सकता है, जैसे रेडिएशन थेरेपी या इम्यूनोथेरेपी।

डॉ. ठोके और डॉ. मिश्रा बताते हैं कि कई कीमोथेरेपी दवाएं हैं जिनका उपयोग फेफड़ों के कैंसर के इलाज के लिए किया जा सकता है। उपयोग की जाने वाली विशिष्ट दवाएं कैंसर के प्रकार और चरण के साथ-साथ रोगी के समग्र स्वास्थ्य पर निर्भर करती हैं। फेफड़े के कैंसर के लिए आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली कुछ कीमोथेरेपी दवाओं में सिस्प्लैटिन, कार्बोप्लाटिन, पैक्लिटैक्सेल,डोकेटेक्सेल, जेमिसिटाबाइन और विनोरेलबाइन शामिल हैं।

उपचार की अवधि के बाद रिकवरी की अवधि के साथ कीमोथेरेपी साइकल्स में दी जा सकती है। इससे शरीर को दवाओं के प्रभाव से उबरने का समय मिल जाता है। प्रत्येक साइकल की लेंथ और साइकल्स की संख्या स्पेशलाइज्ड प्लान पर निर्भर करेगी।

डॉ मिश्र आगे कहते हैं कि कीमोथेरेपी के कई दुष्प्रभाव हो सकते हैं, जिनमें नॉसिया, उल्टी, बालों का झड़ना, थकान और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इन दुष्प्रभावों को दवा और सहायक देखभाल के साथ प्रबंधित किया जा सकता है, जैसे कि एंटी नॉसिया मेडिसीन और एंटीबायोटिक।

इसके दुष्प्रभावों के बावजूद, फेफड़ों के कैंसर के लिए कीमोथेरेपी एक प्रभावी उपचार हो सकता है। यह ट्यूमर को कम करने, लक्षणों से राहत देने और जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार करने में मदद कर सकता है। कुछ मामलों में, कीमोथेरेपी फेफड़ों के कैंसर को ठीक करने में भी मदद कर सकती है।

डॉ. ठोके सावधान करते हैं कि, कीमोथेरेपी हमेशा प्रभावी नहीं होती है, और यह सभी मरीजों के लिए उपयुक्त नहीं हो सकती है। मरीजों के लिए अपने स्वास्थ्य सेवा प्रदाता के साथ कीमोथेरेपी के जोखिमों और लाभों पर चर्चा करना और उनके उपचार के बारे में एक सूचित निर्णय लेना महत्वपूर्ण है।

कीमोथेरेपी के अलावा, फेफड़ों के कैंसर के लिए कई अन्य उपचार उपलब्ध हैं, जिनमें सर्जरी, रेडिएशन थेरेपी और इम्यूनोथेरेपी शामिल हैं। कैंसर के विशिष्ट प्रकार और स्टेज के आधार पर इन उपचारों का अकेले या कीमोथेरेपी के कॉम्बिनेशन में उपयोग किया जा सकता है।

डॉ अनिकेत ठोके बताते हैं की फेफड़ों के कैंसर के लिए इम्यूनोथेरेपी एक अपेक्षाकृत नया उपचार विकल्प है। यह कैंसर कोशिकाओं को पहचानने और उन पर हमला करने के लिए प्रतिरक्षा प्रणाली को उत्तेजित करके काम करता है। इम्यूनोथेरेपी दवाओं का उपयोग अकेले या कीमोथेरेपी के कॉम्बिनेशन में किया जा सकता है, और ट्रेडिशनल कीमोथेरेपी की तुलना में उनके कम दुष्प्रभाव हो सकते हैं।

डॉ राकेश मिश्रा निष्कर्ष में कहते हैं कि, कीमोथेरेपी फेफड़ों के कैंसर के इलाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह एक शक्तिशाली चिकित्सा है जो ट्यूमर को सिकोड़ने, लक्षणों से राहत देने और कई मरीजों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद कर सकता है। जब इसके दुष्प्रभाव हो सकते हैं, इन्हें अक्सर दवा और सहायक देखभाल के साथ प्रबंधित किया जा सकता है। हालांकि, कीमोथेरेपी हमेशा प्रभावी नहीं होती है, और यह सभी मरीजों के लिए उपयुक्त नहीं हो सकती है। रोगियों के लिए अपने डॉक्टर के साथ अपने उपचार विकल्पों पर चर्चा करना और उनकी देखभाल के बारे में एक सूचित निर्णय लेना महत्वपूर्ण है।

फेफड़ा कैंसर एक गंभीर और जानलेवा बीमारी है, जो दुनियाभर में कैंसर से होने वाली मौतों का प्रमुख कारण है। इस बीमारी का मुख्य कारण धूम्रपान है, लेकिन यह गैर-धूम्रपान करने वाले व्यक्तियों को भी प्रभावित कर सकती है। फेफड़ा कैंसर तब होता है जब फेफड़ों की कोशिकाओं में असामान्य वृद्धि होने लगती है, जो ट्यूमर का रूप ले लेती हैं और शरीर के अन्य हिस्सों में फैल सकती हैं।

को बढ़ा सकता है। इसके अलावा, कुछ आनुवंशिक कारक और अस्बेस्टस जैसे कारखानों में पाए जाने वाले खतरनाक रसायनों के संपर्क में आने से भी यह रोग हो सकता है।

कारण और जोखिम कारक

फेफड़ा कैंसर का सबसे बड़ा कारण धूम्रपान है। सिगरेट में पाए जाने वाले रसायन, जैसे निकोटिन, टार, और अन्य कैंसरजन पदार्थ, फेफड़ों की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। धूम्रपान के अलावा, पैसिव स्मोकिंग, वायु प्रदूषण, और रेडॉन गैस के संपर्क में आना भी फेफड़ा कैंसर के जोखिम

लक्षण

फेफड़ा कैंसर के शुरुआती चरणों में अक्सर कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते, जिससे इसका निदान करना मुश्किल हो जाता है। हालांकि, जैसे-जैसे कैंसर बढ़ता है, कुछ सामान्य लक्षण सामने आ सकते हैं:

1. **लगातार खांसी :** यदि खांसी लंबे समय तक बनी रहे या खांसी में खून आए, तो यह फेफड़ा कैंसर का संकेत हो सकता है।
2. **सीने में दर्द :** सांस लेते समय या खांसते समय सीने में दर्द महसूस हो सकता है।
3. **सांस फूलना :** थोड़ी सी गतिविधि के बाद भी सांस फूलना या हांफने की समस्या हो सकती है।
4. **वजन घटने :** बिना किसी स्पष्ट कारण के वजन में कमी होना भी एक चेतावनी संकेत हो सकता है।
5. **आवाज में बदलाव :** आवाज में भारीपन या कर्कशता भी फेफड़ा कैंसर का लक्षण हो सकता है।

संजीवनी कैंसर हॉस्पिटल

छत्तीसगढ़ का एक अत्याधुनिक हॉस्पिटल जहां एक ही छत के नीचे निम्नलिखित एडवांस्ड सुविधाएं उपलब्ध

रोबोटिक कैंसर सर्जरी

रैपिड आर्क रेडियोथेरपी

एडवांस्ड पेट-सीटी

बोन मैरो ट्रांसप्लांट

आई.एच.सी. एवं फ्रोज़न सेक्शन

न्यूरो माइक्रो-स्कोप एवं न्यूरो नेविगेशन सिस्टम

मरीजों के सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए पूर्ण NABH से मान्यता प्राप्त

दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर (छ.ग.), +917389905010, +917389904010, 4081010, 4061010

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

इसी साल खत्म होगा 'जोकर' फ्रेंचाइजी का सफर, सवाल उठे

साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म 'जोकर' के सीक्वल 'जोकरः फोली ए ड्यूक्स' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म 4 अक्टूबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। जोकर के किरदार को पसंद करने वाले लोगों को उम्मीद है कि इसका तीसरा भाग भी देखने को मिलेगा, लेकिन फिल्म के निर्देशक टॉड फिलिप्स का ताजा बयान कुछ ओर ही इशारा कर रहा है। निर्देशक टॉड फिलिप्स ने 'जोकर' फ्रेंचाइजी पर वैराइटी से बातचीत के दौरान कहा कि मुझे लगता है कि हम जो हम कहना चाहते थे, वो कह चुके हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि भले ही उन्होंने 'जोकरः फोली ए ड्यूक्स' का निर्देशन किया और इसकी कहानी भी लिखी, लेकिन वो जोकर के किरदार से आगे बढ़ना चाहते हैं। फिलिप्स के इस बयान के बाद से इस फ्रेंचाइजी के प्रशंसक हैरान हैं। वे 'जोकर 3' भी देखना चाहते हैं, लेकिन अब इसे लेकर चिंता सताने लगी है। वैसे दर्शक एक पुरानी घटना के आधार पर राहत की सांस भी ले सकते हैं। दरअसल, टॉड फिलिप्स 'जोकर' के दूसरे भाग को लेकर भी ज्यादा आश्वस्त नहीं थे। उनका इरादा एक ही फिल्म बनाने का था। वो तो पहले भाग के दौरान ही कह चुके थे कि 'जोकर' का किरदार निभाने वाले वॉकिन फीनिक्स पर ही निर्भर करता है कि क्या वो इस रोल को फिर से करना चाहते हैं। अब जैसा कि सभी जानते हैं कि 'जोकरः फोली ए ड्यूक्स' के रुप में फिल्म का दूसरा भाग रिलीज होने जा रहा है। ऐसे में, अगर ये फिल्म अच्छी चली और फीनिक्स भी तैयार रहे तो 'जोकर 3' पर बात बन सकती है।

टॉलीवुड

'आरटी75' के सेट पर चोटिल हुए रवि तेजा, सर्जरी के बाद आराम की सलाह

रवि तेजा अपनी अगली फिल्म 'आरटी75' की शूटिंग में व्यस्त हैं। हाल ही में अभिनेता को फिल्म की शूटिंग के दौरान चोट लग गई। अभिनेता के दाहिने हाथ की मांसपेशी फट गई बावजूद इसके उन्होंने दर्द को नजरअंदाज कर शूटिंग जारी रखी। हालांकि, उन्हें इसका बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ा है। रवि तेजा को हाथ की सर्जरी करानी पड़ी है। डॉक्टरों ने अब उन्हें बेड रेस्ट पर रहने की सलाह दी है। रवि तेजा के एक प्रतिनिधि ने खबर की पुष्टि करते हुए एक बयान साझा किया। उन्होंने यह भी साझा किया कि अभिनेता अब पूरी तरह से ठीक होने के लिए छह सप्ताह तक काम से दूर रहेंगे। बयान में कहा गया है, 'मास महाराजा रवि तेजा को हाल ही में आरटी75 के फिल्मांकन के दौरान उनके दाहिने हाथ की मांसपेशियों में चोट लग गई। चोट के बावजूद, उन्होंने शूटिंग जारी रखी, जिससे दुर्भाग्य से स्थिति और बिगड़ गई।' बयान में आगे कहा गया है, 'कल, यशोदा अस्पताल में उनकी सफल सर्जरी हुई और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार, पूरी तरह ठीक होने के लिए उन्हें छह सप्ताह के आराम की सलाह दी गई है।' हालांकि, अबतक इस बात का पता नहीं चल पाया है कि रवि को शूटिंग के दौरान चोट कैसे लगी। रवि को हाल ही में हरीश शंकर की 'मिस्टर बच्चन' में देखा गया था जो स्वतंत्रता दिवस पर सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म की टक्कर पुरी जगन्नाध की 'डबल इस्मार्ट' से हुई। दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने में नाकाम रहीं। 'मिस्टर बच्चन' अजय देवगन अभिनीत 2018 की फिल्म 'रेड' का तेलुगु रीमेक है। हरीश ने कहानी को व्यावसायिक प्रारूप में ढाला, जो दर्शकों को पसंद नहीं आया।

भोजपुरी

पवन सिंह की 'आज हमार प्यार के शादी बा' का ट्रेलर रिलीज

भोजपुरी फिल्मों के पावर स्टार पवन सिंह का गाना 'आई नहीं' जहां 'स्त्री 2' में धमाल मचा रहा हैं, वहीं दूसरी ओर उनकी फिल्म 'आज हमार प्यार के शादी बा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फैंस के मुताबिक, ट्रेलर जबरदस्त है और उन्हें खूब पसंद आ रहा है। कुछ दिन पहले ही पवन सिंह ने फिल्म का फर्स्ट लुक शेयर किया था, और अब फाइनली ट्रेलर आ गया है। दूसरी ओर, पवन सिंह की एक और फिल्म 'सूर्यवंशम' भी रिलीज होने वाली है। 'आज हमार प्यार के शादी बा' में पवन सिंह का एक्शन अवतार भी देखने को मिल रहा है। ट्रेलर में सिर्फ एक्शन ही नहीं, बल्कि रोमांस और कॉमेडी का भी तगड़ा डोज है। ट्रेलर में कुछ डायलॉग्स भी हैं, जो काफी धांसू हैं और फैंस को पसंद आ रहे हैं। एक फैन ने कमेंट किया है, 'डर से कभी मत डरना, पर सामने पवन सिंह हो तो जरूर डरना।' एक अन्य फैन ने लिखा है, 'भोजपुरी का पहला ब्रांड पवन सिंह ही है।' वैसे सिर्फ फैंस ही नहीं, अब तो पवन सिंह की पावर और स्टारडम राजकुमार राव ने भ मान लिया है। फिल्म 'स्त्री 2' में पवन सिंह का गाया गाना 'आई नहीं' ब्लॉकबस्टर हो चुका है और धड़ाधड़ रील्स बन रही हैं। इस गाने ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है। एक पॉडकास्ट में राजकुमार राव ने पवन सिंह के लिए कहा कि लोग सच बोलते हैं कि वह स्टार हैं।

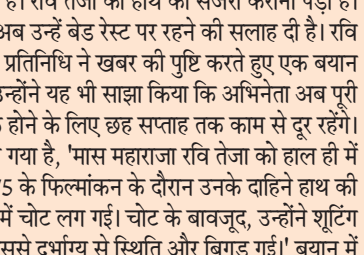

सड़क का फैशन

लाइफ स्टाइल

यूरोप में इन दिनों ₹स्ट्रीट स्टाइल₹ बेहतरीन फैशन ट्रेंड है। फैशन में यह एक बहुत बड़ा बदलाव है। इस ट्रेंड में आप ऐसे कपड़े पहन रहे हैं जैसे कि आप अभी-अभी किसी स्पोर्ट्स इवेंट से निकल भागे हों। इस फैशन को मशहूर रैपर कान्ये वेस्ट ने और ज्यादा चर्चित बना दिया है। पिछले दिनों कान्ये एक शो में ₹स्ट्रीट स्टाइल₹ के साथ नजर आए। उनके चारों तरफ ढेर सारे मॉडल थे। इस शो की तारीफें भी खूब मिली।

नाखूनों को साफ-सुथरा रखने से लेकर मजबूत बनाने तक एक्सपर्ट की टिप्स

नाखूनों को खूबसूरत बनाने के लिए अकी बातों का खास ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है। इसके लिए आपको नाखूनों के आस-पास की स्किन की भी उतनी ही अच्छे तरीके से देखभाल करनी चाहिए। लगातार नाखूनों की सही तरीके से देखभाल करने से आपके नेल्स साफ-सुथरे और मजबूत नजर आने लगेंगे। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसे खास और आसान टिप्स बताने वाले हैं जिनकी सहायता लेकर आप आसानी से अपने नाखूनों की देखभाल कर सकते हैं।

मैनीक्योर और पेडीक्योर कब करवाना चाहिए?

अगर आप चाहती हैं कि आपके नाखून हमेशा मजबूत और साफ रहें तो हफ्ते में कम से कम 1 बार तक आपको नेल केयर रूटीन पर ध्यान देना चाहिए। इसके लिए आप घरेलू चीजों की सहायता भी ले सकती हैं। इसके लिए आप गुलाब जल, संतरे, बेसन जैसी कई चीजों का इस्तेमाल कर सकती हैं।

कैसे करें नाखूनों की देखभाल?

सबसे पहले एक बाउल में हल्के गुनगुने पानी को डालें। इसमें अपने हाथों की उंगलियों को कम से कम 2 से 4 मिनट तक डूबोकर रखें। इसके बाद टूथब्रश की मदद से नाखूनों को अच्छी से साफ कर लें। ध्यान रहे कि इसके लिए आप हाथों के दबाव को कम से कम ही रखें। अब क्यूटीक्लस की देखभाल करना भी बेहद जरूरी होता है। इस दौरान क्यूटीक्लस को काटे नहीं, बल्कि इन्हें कॉटन की मदद से अंदर की तरफ दबा लें ताकि नाखून मजबूत रहे।इसके बाद आप हाथों को साफ करके हैण्ड क्रीम का इस्तेमाल करें।ऐसा इसलिए क्योंकि गुनगुने पानी में रहने के कारण हाथों की त्वचा ड्राई हो जाती है। इसे मॉइस्चराइज करना भी जरूरी होता है और इसके लिए आप हैण्ड क्रीम का इस्तेमाल करें।आखिर में आप नाखूनों को खूबसूरत बनाने के लिए ट्रांसपेरेंट कलर की नेल पेंट लगा सकती हैं।

जींस के साथ वियर करें वी नेकलाइन वाली टी-शर्ट, मिलेगी आपको तारीफ

फैशन

जींस के साथ अक्सर हमें क्रॉप टॉप या शर्ट पहनना ज्यादा पसंद होता है। वहीं कई सारी लड़कियां जींस के साथ पहनने के लिए कुर्ती भी खरीदती हैं। लेकिन हर बार उसी फैशन को फॉलो करके हम बोर हो जाते हैं। इसलिए हमेशा उसमें कुछ अलग चेंज करने के बारे में सोचते हैं। अगर आप भी कुछ अलग ट्राई करना चाहती हैं, तो जींस के साथ वी नेकलाइन वाली टी-शर्ट को स्टाइल करें। इस तरह की टी-शर्ट डिजाइन पहनने के बाद अच्छे लगते हैं। साथ ही, इसके बाद आपको कोई भी नया टॉप लेने की जरूरत नहीं पड़ती है।

प्लेन वी नेकलाइन टी-शर्ट

आप जींस के साथ सिंपल लुक के लिए प्लेन वी नेकलाइन वाली टी-शर्ट को खरीद सकती हैं। इस तरह की टी-शर्ट पहनने के बाद अच्छी लगती है। साथ ही, लुक को सिंपल रखती हैं। इस तरह की टी-शर्ट मार्केट में आसानी से मिल भी जाती है। जिसे आप अपनी जींस के कलर के हिसाब से खरीदकर वियर कर सकती हैं। इस तरह की टी-शर्ट आप लूज भी खरीदकर जींस के साथ पहन सकती हैं। मार्केट में यह टी-शर्ट आपको 100 से 250 रुपये में मिल जाएगी।

कॉलर वी नेकलाइन टी शर्ट

अगर आपको टी-शर्ट में लुक सबसे अलग चाहिए, तो इसके लिए आप वी नेकलाइन वाली कॉलर टी-शर्ट को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की टी-शर्ट में कलर कंट्रास्ट के हिसाब से कॉलर दिया गया है। इससे यह क्लासी और सुंदर लग रही है। ऐसी टी-शर्ट भी जींस के साथ अच्छी लगती है। साथ ही, अलग-अलग कलर कंट्रास्ट के साथ मार्केट में आसानी से मिल जाती है। इस तरह की टी-शर्ट बाजार से लेने पर आपको 200 से 400 रुपये में मिल जाएगी।

स्ट्राइप डिजाइन वाली वी नेकलाइन टी-शर्ट

अगर आपको किसी पार्टी में टी-शर्ट वियर करनी है, तो इसके लिए स्ट्राइप डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह के डिजाइन वाली टी-शर्ट भी पहनने के बाद अच्छी लगेगी। साथ ही, इसमें आपका लुक पार्टी वाला लगेगा।

हाथों की उंगलियां रहती हैं बहुत ज्यादा ड्राई, तो इसे अपनाएं

ड्राई स्किन और उंगलियों की समस्या तब होती है, जब हम कम पानी पीते हैं या शरीर में पानी की कमी होने लगती है। ऐसे में आप दिन में तीन से चार लीटर पानी पिएं। इससे ड्राईनेस की सभी समस्याओं से निजात मिल सकती है।

हाथ और उंगलियों की घी, मक्खन या बटरसे मालिश करें। घी में चीजों को चिकना करने के गुण होते हैं, ऐसे में रात में सोने से पहले हाथ और उंगलियों में घी से मालिश करें। जैतून के तेल को नेचुरल मॉइस्चराइजर कहा जाता है। इसे अपनी उंगलियों पर थोड़ी मात्रा में लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें। आप चाहें तो इसमें थोड़ा शहद भी मिलाएं इससे बेहतर रिजल्ट मिलेगा। ओटमील को पहले गर्म पानी में भिगोकर पेस्ट बना लें और इसे उंगलियों पर लगाकर 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें। इससे उंगलियों की ड्राईनेसतो दूर होगी ही साथ ही, स्किन रिपेयर भी होगी। यदि आप ज्यादा कपड़े धोती हैं, बर्तन धोती हैं या पानी के संपर्क में ज्यादा देर तक रहती हैं, तो अपने हाथों को ड्राईनेस से बचाने के लिए ग्लव्स पहनकर काम करें। इसके अलावा हार्ड डिटर्जेंट और पाउडर के इस्तेमाल से बचें। हार्ड डिटर्जेंट और सोप आपके हाथ और उंगलियों को ड्राई करते हैं।

बालों को रखना है हेल्दी तो इन तरीकों से प्याज का करें इस्तेमाल

प्याज बालों के लिए काफी फायदेमंद होती है बालों में प्याज लगाने से जड़ें मजबूत होती है और पोषण मिलता है। बालों को घना करने के लिए भी प्याज का इस्तेमाल किया जाता है। इससे वो टूटने कम हो जाते हैं और सफेद भी नजर नहीं आते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इसमें एंटीऑक्सीडेंट पोषक तत्व पाए जाते हैं। इससे बालों के स्कैल्प में मजबूती आती है और वह हेल्दी रहते हैं आप भी अपने बालों के लिए प्याज को अलग-अलग तरीके से इस्तेमाल कर सकती हैं।

प्याज और नारियल के तेल से बनाएं हेयर मास्क

बालों के लिए प्याज काफी असरदार होती है वैसे ही नारियल तेल भी बालों को नरिश करता है। इसलिए ज्यादातर लोग इसका इस्तेमाल अक्सर अपने बालों में चंपी करने के लिए करते हैं।

हेयर मास्क बनाने का तरीका

इसे बनाने के लिए सबसे पहले प्याज को चिले और छोटे-छोटे टुकड़ों में काटे। अब इसे मिक्सर ग्राइंडर में डालकर अच्छे से पीछे और एक स्मूथ पेस्ट तैयार करें। फिर उसमें नारियल का तेल मिक्स करें।

इसके बाद इस मिश्रण को एक बर्तन में लेकर गैस पर रखें और गर्म होने दे। फिर इसे अपने बालों में अप्लाई करें और अच्छे से स्कैल्प पर मसाज करें। इसे अपने बालों में 1 से 2 घंटा लगे रहने दे फिर शैंपू से अपने बालों को साफ कर ले। इसके इस्तेमाल से बोल नरेश होते हैं टूटना कम हो जाते हैं और उनके ग्रोथ (बालों को बढ़ाने के घरेलू उपाय) भी काफी अच्छी हो जाती है। प्याज और हल्दी का पेस्ट बनाकर बालों में लगाएं।

कार्नर न्यूज

बदलते दौर में फैशन का ट्रेंड भी नया हुआ, महिलाएं अपना रही

'नो मेकअप लुक' है आजकल चलन में ट्राई करने से पहले रखें इन बातों का ध्यान

एक समय था, जब हर उम्र की महिला काफी हैवी मेकअप करना पसंद करती थी। डार्क आईलाइनर, डार्क लिपस्टिक और हैवी फाउंडेशन तो जैसे हर महिला की पहली पसंद था लेकिन अब जैसे-जैसे समय बदल रहा है, वैसे-वैसे महिलाओं की पसंद भी बदलती जा रही है। अब महिलाएं हैवी मेकअप की जगह नो मेकअप लुक को कैरी करना ज्यादा पसंद करती हैं। नो मेकअप लुक कैरी करने स ना सिर्फ चेहरे की खूबसूरती में चार चांद लगते हैं, साथ ही में ये हर कार्यक्रम के लिए परफेक्ट भी होता है।

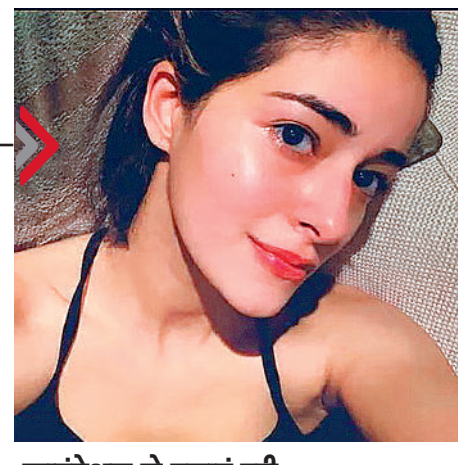

फाउंडेशन से बनाएं दूरी

अगर आप नो मेकअप लुक कैरी करना चाह रही हैं तो फाउंडेशन से दूरी बना लें। दरअसल, फाउंडेशन लगाने क बाद इसकी मोटी लेयर अलग से दिख जाती है, जो आपके नो मेकअप लुक को खराब कर सकती है।

करें कंसीलर इस्तेमाल

फाउंडेशन की बजाय आप कंसीलर का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके इस्तेमाल से आपके चेहरे के दाग-धब्बे छिप जाएंगे और पता भी नहीं लगेगा कि आपने चेहरे पर कुछ लगाया है।

जरूर लगाएं प्राइमर

नो मेकअप लुक में भी प्राइमर काफी जरूरी होता है। प्राइमर लगाने से स्किन ग्लो करती है। इसे लगाते वक्त ध्यान रखें कि इसकी लेयर ज्यादा मोटी ना होने पाए।

गालों पर लगाएं हल्का सा ब्लश

अपने नो मेकअप लुक को पूरा करने के लिए हल्के रंग का ब्लश लगाएं। ध्यान रखें कि इसकी मात्रा ज्यादा ना हो। नो मेकअप लुक में हल्का सा ब्लश काफी रहता है।

काजल है जरूरी

अगर आप नो मेकअप लुक में काजल लगाएंगी तो इससे आपकी आंखों की सुंदरता कई गुना बढ़ जाएगी। वरना आंखें सूजी-सूजी दिखाई देंगी।

न्यूड लिपस्टिक को दें प्राथमिकता

नो मेकअप लुक में न्यूड लिपस्टिक की काफी अहम भूमिका होती है। आप चाहें तो लाइट पिंक रंग का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।